सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 34 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 6 मार्च, 2024
मूल्य ₹ 3/-

विश्व एक व्यायामशाला है जहां हम खुद को मजबूत बनाने के लिए आते हैं।
-स्वामी विवेकानंद

स्पिनर नदीम ने क्रिकेट को कहा... 7 | चुनावों की घोषणा से पहले मची... 3 | कमियां बताने पर एलजी का... 2

पीएम मोदी के दौरे से मचा बंगाल में बवाल

टीमएसी ने बीजेपी पर बोला हमला राज्य को बदनाम करने की साजिश

तृणमूल नेताओं को गिरफ्तार करना चाहती है भाजपा

» सुप्रीम कोर्ट से ममता सरकार को करारा झटका

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बुधवार को निर्धारित कोलकाता यात्रा से पहले पश्चिम बंगाल की सियासत गरमा गई है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भाजपा की आलोचना की और कहा कि पार्टी राज्य को बदनाम करने और उनकी पार्टी के नेताओं को गिरफ्तार करने का प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री की यह टिप्पणी संदेशखाली में अशांति और आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर आई है।

उधर सुप्रीम कोर्ट से भी बंगाल सरकार को करारा झटका लगा है। ममता सरकार टॉप कोर्ट के पास संदेशखाली मामले की जल्द सुनवाई के लिए पहुंची थी पर सुप्रीम कोर्ट ने उसे उल्टे पांव लौटा दिया। बुधवार (6 मार्च, 2024) को सुप्रीम कोर्ट ने केस में तुरंत सुनवाई करने से साफ इनकार कर दिया।

बंगाल की सीएम ने आगे कहा भाजपा की चालाकी भरी बातों और हिंसा भड़काने की कोशिशों ने बंगाल की महिलाओं का अपमान किया है, इससे बंगाल की माताएं-बहनें खुश नहीं हैं।

नारीशक्ति को विकसित भारत की शक्ति बना रहे : मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महिला रैली को संबोधित करने पश्चिम बंगाल में उत्तर 24 परगना जिले के बारासात पहुंचे। इस दौरान उनका अभिनंदन किया गया। इसके बाद पीएम मोदी ने लोगों को संबोधित किया। उन्होंने अपने संबोधन की शुरुआत भारत माता की जय, जय मां काली और जय मां दुर्गा के जयकारे के साथ की। उन्होंने कहा कि आज का ये विशाल कार्यक्रम इस बात का साथी है कि भाजपा कैसे नारीशक्ति को विकसित भारत की शक्ति बना रही है। 9 जनवरी को भाजपा ने देश में नारीशक्ति वंदन अभियान शुरू किया था, इस दौरान देश भर में लाखों स्वयं सहायता समूहों से संवाद किया गया। आज यहां पश्चिम बंगाल में स्वयं सहायता समूह से जुड़ी बहनों का इतना विशाल सम्मेलन हो रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि मैंने वर्षों तक संगठन में काम किया है। इसलिए मुझे पता है कि इतना बड़ा राष्ट्रीय स्तर का कार्यक्रम आयोजित करना हो, देश भर में 19-20 हजार स्थानों पर महिला समूह एक कार्यक्रम में जुड़े हों, ये हिंदुस्तान के सार्वजनिक जीवन की सबसे बड़ी घटना है।

संदेशखाली मामले में तुरंत सुनवाई से कोर्ट का इनकार

संदेशखाली मामले को लेकर पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं मिली है। ममता सरकार टॉप कोर्ट के पास जल्द सुनवाई के लिए पहुंची थी पर सुप्रीम कोर्ट ने उसे उल्टे पांव लौटा दिया। बुधवार (6 मार्च, 2024) को सुप्रीम कोर्ट ने केस में तुरंत सुनवाई करने से साफ इनकार कर दिया। संदेशखाली में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों पर हुए हमले से जुड़े मामले को लेकर सीनियर वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने पश्चिम बंगाल सरकार की याचिका पर फिर से जल्द सुनवाई की मांग की थी, जिस पर जस्टिस संजीव खन्ना की बेंच ने सुनवाई पर कोई आदेश देने से मना किया। अभिषेक मनु सिंघवी से इस दौरान चीफ जस्टिस के पास जाने को कहा गया।

कलकत्ता हाईकोर्ट ने सीबीआई को सौंपी थी जांच

कलकत्ता हाईकोर्ट ने मामले की जांच देश की सबसे बड़ी जांच एजेंसी केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को दी है, जबकि टीएमसी से जुड़े आरोपी शाहजहां शेख समेत दूसरे आरोपियों की हिरासत भी सीबीआई को सौंपने का आदेश दिया है। अब तक राज्य पुलिस ने इसका पालन नहीं किया है, जबकि चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ के संविधान पीठ में होने के चलते यह मामला उनके सामने नहीं रखा जा सका है।

यूपी से बेहतर है बंगाल : ममता

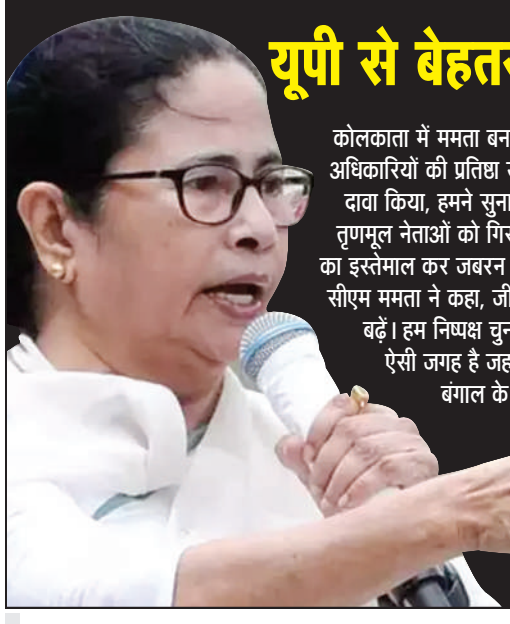

कोलकाता में ममता बनर्जी ने कहा, बंगाल को बदनाम करने, बंगाल के अधिकारियों की प्रतिष्ठा खराब करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने दावा किया, हमने सुना है कि एजेंसियों का दावा है कि भाजपा ने उन्हें तृणमूल नेताओं को गिरफ्तार करने का निर्देश दिया है, एजेंसी के नाम का इस्तेमाल कर जबरन प्रवर्तन निदेशालय और सीबीआई को भेजते हैं। सीएम ममता ने कहा, जीतना है तो जनता का विश्वास अर्जित कर आगे बढ़ें। हम निष्पक्ष चुनाव चाहते हैं, बीजेपी का चुनाव नहीं, बंगाल एक ऐसी जगह है जहां निष्पक्ष चुनाव संभव है। ममता बनर्जी ने कहा, बंगाल के बारे में बड़ी-बड़ी बातें करने वालों से मैं कहना चाहता हूं कि उत्तर प्रदेश आइए। पिछले दो दिनों में दो नाबालिगों को बांधकर हत्या कर दी गई, बिलकीस के घर में, हाथरस में। देखिए, बंगाल उससे कहीं बेहतर है।

सुनवाई का समय सीजेआई तय करेंगे

ममता सरकार की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि सुनवाई कब हो, ये सीजेआई तय करेंगे। शाहजहां शेख को सीबीआई को सौंपे जाने के हाईकोर्ट खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में पश्चिम बंगाल सरकार ने की जल्द सुनवाई की मांग की थी। दरअसल, ममता सरकार का कहना है कि एसआईटी इस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। सीबीआई को मामला सौंपना बिल्कुल गलत है।

हाईकोर्ट ने बंगाल पुलिस को दिया निर्देश

सीबीआई ने मामले की जांच अपने हाथ में लेने के लिए पश्चिम बंगाल पुलिस से संपर्क किया। एजेंसी की एक टीम शेख को हिरासत में लेने के लिए अर्धसैनिक बलों के साथ कोलकाता स्थित सीआईडी कार्यालय भी पहुंची, लेकिन उसे हिरासत नहीं सौंपी गई। सीआईडी ने कहा कि संदेशखाली के नेता को केंद्रीय एजेंसी को नहीं सौंपा गया, क्योंकि राज्य सरकार ने कलकत्ता उच्च न्यायालय के एक आदेश के खिलाफ उच्चतम न्यायालय में अपील की है।

शाहजहां मामले को लेकर हाईकोर्ट पहुंची सीबीआई

निलंबित टीएमसी नेता शेख शाहजहां को हिरासत में नहीं सौंपने पर पश्चिम बंगाल सरकार के खिलाफ सीबीआई ने बुधवार को कलकत्ता उच्च न्यायालय का रुख किया। जांच एजेंसी ने तत्काल सुनवाई की मांग की है। यह घटनाक्रम तब सामने आया है जब सीबीआई ने दावा किया कि बंगाल सीआईडी ने शेख शाहजहां को मंगलवार शाम साढ़े चार बजे तक जांच एजेंसी को सौंपने के उच्च न्यायालय के आदेश का पालन नहीं किया। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने बंगाल पुलिस को पूरी तरह से पक्षपाती कहा और आदेश दिया कि जनवरी में संदेशखली में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों पर हमले की जांच सीबीआई को स्थानांतरित कर दी जाए।

कमियां बताने पर एलजी का धन्यवाद : केजरीवाल

» फिर आमने-सामने आए दिल्ली के सीएम व उपराज्यपाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल (एलजी) विनय कुमार सक्सेना और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के बीच एक जुबानी जंग कोई नई बात नहीं है। दोनों के बीच एक बार फिर से ऐसा ही नजारा देखने को मिला। उपराज्यपाल ने अपने एक्स अकाउंट पर गंदगी और खस्ताहाल सड़कों के फोटो साझा करते हुए दिल्ली सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने लिखा है, स्थानीय निवासियों के अनुरोध पर कल संगम विहार गया था।

नौ साल के शिगूफों के बावजूद इलाके में रह रहे 20 लाख से ज्यादा लोग मूलभूत जनसुविधाओं से वंचित, नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं। न सड़कें हैं, न सीवर, न कूड़े की सफाई। इस पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी पलटवार किया है। उन्होंने कमियां बताने पर एलजी का धन्यवाद किया है। उपराज्यपाल ने आगे लिखा है कि बेतरतीब लटकती बिजली की तारें खतरनाक हैं और उबड़-खाबड़ सड़क पर मेरे सामने ही रिक्शा पलटा और एक महिला घायल हुई। उफनती नालिया, कचरे के ढेर और सीवर के बदबूदार पानी से भरी गलियां, भारत की राजधानी में होंगी, देश इसकी कल्पना नहीं कर सकता।

आज विपक्ष यानि भाजपा के सातों सांसद राजनीति से संन्यास लेने में व्यस्त हैं और आठों विधायक गहरी निद्रा में सोये हैं। यही कारण है कि दिल्ली की सत्ता पिछले 26 साल से भाजपा से दूर है। इसलिए, मजबूरीवश, एलजी के संवैधानिक पद पर होते हुए भी विपक्ष की भूमिका आपको निभानी पड़ रही है।जो कमियां आपने बतायी हैं, जिन अधिकारियों को ये काम करना था और उन्होंने नहीं किया, उनके खिलाफ सख्त से सख्त एक्शन होना चाहिए।

भाजपा के सातों सांसद राजनीति से संन्यास लेने में व्यस्त

केजरीवाल की तरह महिलाओं के लिए लाएं योजना केंद्र : प्रियंका

आम आदमी पार्टी ने केजरीवाल सरकार की तरह ही केंद्र सरकार से भी महिलाओं के लिए योजना लाने की मांग की है, जिससे देश की आधी आबादी को सशक्त बनाया जा सके। इसको लेकर आप की मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि दिल्ली के बेटे अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के बजट में मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना के तहत 18 साल से ऊपर की हर बहनों को एक-एक हजार रुपये देने का एलान कर महिला सशक्तिकरण की तरफ बड़ा कदम बढ़ाया है। प्रियंका कक्कड़ ने कहा, केजरीवाल सरकार द्वारा मुफ्त पानी, बिजली और बसों में सफर की सुविधा पहले से दी जा रही है, अब हजार रुपये महीना और मिलने से महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ेगा और घर खर्च को लेकर उनकी चिंता भी कम होगी। दूसरी तरफ, मोदी सरकार के बजट में महिला सशक्तिकरण को लेकर कोई योजना नहीं होती है। इसके बाद भी देश के ऊपर लगभग 200 लाख करोड़ रुपये का कर्ज चढ़ गया है। आप की सलाह है कि मोदी सरकार अपने दोस्तों की जेबें भरना बंद करे और महिला सशक्तिकरण पर ध्यान दे, क्योंकि केंद्र की अभी जो नीतियां हैं, उसमें अमीर और अमीर, गरीब और गरीब होता जा रहा है।

केंद्र की वजह से बेंगलुरू में जल संकट : डीके

» उपमुख्यमंत्री के घर भी पानी की किल्लत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने केंद्र पर निशाना साधा और उस पर मेकेदातु जलाशय परियोजना को रोकने का आरोप लगाया, जो बेंगलुरु में पानी की समस्या का समाधान कर सकती थी। उन्होंने कहा, हमने बेंगलुरु के लिए जल आपूर्ति सुनिश्चित करने के इरादे से मेकेदातु परियोजना शुरू की थी। हमने अपनी पदयात्रा के माध्यम से मेकेदातु परियोजना को मंजूरी देने के लिए केंद्र पर दबाव डाला, इसके बावजूद केंद्र ने इसे मंजूरी नहीं दी है। संकट की गंभीरता को देखते हुए केंद्र को कम से कम अब इस परियोजना को मंजूरी देनी चाहिए।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार किसी भी कीमत पर बेंगलुरु को पर्याप्त पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करेगी। डीके शिवकुमार ने कहा कि सभी इलाके जल संकट का सामना कर रहे हैं और यहां तक कि उनके घर का बोरवेल भी सूख गया है। बेंगलुरु गंभीर जल संकट का सामना कर रहा है क्योंकि बारिश की कमी के कारण बोरवेल सूख गए हैं। आवासीय सोसायटियों ने निवासियों को अपने दैनिक पानी के उपयोग में सावधानी बरतने की सलाह दी है। संकट के बीच, कई निजी पानी टैंकर निवासियों से पानी पहुंचाने के लिए अत्यधिक शुल्क ले रहे हैं। इस पर शिवकुमार ने कहा, कुछ टैंकर 600 रुपये में पानी की आपूर्ति कर रहे हैं जबकि कुछ अन्य 3,000 रुपये तक वसूल रहे हैं, मूल्य निर्धारण को मानकीकृत करने के लिए, हमने सभी पानी टैंकरों को अधिकारियों के साथ पंजीकरण कराने के लिए कहा है, टैंकरों द्वारा तय की गई दूरी के आधार पर कीमतें तय की जाएंगी।

कुर्सी चुराने की कोशिश करने वालों को जनता देगी जवाब : सुक्खू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि यह कुर्सी मेरी नहीं, आपकी है। मुख्यमंत्री की कुर्सी पर कोई और नहीं बैठा है, बल्कि आप बैठे हैं। इस कुर्सी को चुराने की जो भी कोशिश होगा, आपने उसका मुंहतोड़ जवाब देना है। भाजपा ने जो हमारे छह विधायक चुराए हैं और जो चोरी-छिपे सत्ता में आना चाहते हैं, उन्हें आप लोग जवाब देंगे।

जो लोग कुर्सी चुराने की कोशिश करते हैं, वह सत्ता के भूखे होते हैं। उन्हें गरीब के दर्द की पहचान और पीड़ा नहीं होती है। वह किसान की भावनाओं को नहीं समझ सकते, महिलाओं का सम्मान और युवाओं को रोजगार नहीं दे सकते हैं। सीएम सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने नेरवा में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि वह किसी चुनौती से डरने वाले नहीं हैं। 1500 रुपये कहां से लाएंगे, यह हमारा दायित्व है। अभी आवेदन भरने शुरू कर देंगे। हम हर परिवार की सामाजिक सुरक्षा चाहते हैं। हम भाजपा की तरह नहीं हैं कि चुनाव से छह महीने 900 संस्थान खोल दिए। शिक्षक भर्ती नहीं किए। मैं योद्धा हूं, संघर्ष की भट्टी में तपा हूं।

भाजपा हटाओ, नौकरी पाओ : अखिलेश यादव

» योगी के मंत्रिमंडल विस्तार के सामने दिलाई युवाओं को शपथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में योगी सरकार के दूसरे कार्यकाल का पहला मंत्रिमंडल विस्तार हो गया। इसके बाद सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी बेरोजगार और पेपरलीक से प्रताड़ित युवाओं को शपथ दिलाई। उन्होंने सोशल मीडिया साइट पर कहा कि हम बेरोज़गार, पेपरलीक से प्रताड़ित, नौकरी के लिए भटक रहे युवा, अपने भविष्य को बचाने के लिए ये शपथ लेते हैं कि हम ऐसे दलों को ही वोट देंगे जिनका लक्ष्य नौकरी-रोजगार देना है।

साथ ही ये भी शपथ लेते हैं कि हम सक्रिय होकर अपने परिवार और आसपास के मतदाताओं को सौहार्दपूर्ण-सकारात्मक राजनीति के लिए जागरूक करेंगे व आगामी लोकसभा चुनाव में संविधान में विश्वास करेनवाले दलों को जिताने के लिए समाज से खुलकर अपील करेंगे। हम इस नारे को हर परिवार, हर युवक-युवती तक पहुंचाने की भी शपथ लेते हैं। भाजपा हटाओ, नौकरी पाओ! वहीं सपा के महासचिव पद से इस्तीफा देने वाले पूर्व सांसद सलीम शेरवानी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात की लेकिन बातचीत बेनतीजा रही। सलीम ने कहा कि इस बैठक में उन्होंने सपा अध्यक्ष के सामने मुसलमानों के मामले में ढंग से आवाज न उठाने का मुद्दा रखा। सलीम का यह भी कहना है कि अखिलेश से हुई बातचीत से कोई समाधान नहीं निकला। वे सहसवान में सेक्युलर फ्रंट के तहत बुधवार को एक बैठक कर रहे हैं। वहां अपने समर्थकों के साथ राय-मशिवरा करने के बाद यह तय करेंगे कि आगे क्या करना है। सपा ने संभल लोकसभा से डॉ. शफीकुर्रहमान बर्क को प्रत्याशी घोषित कर दिया था। बीमारी के चलते सांसद व प्रत्याशी डॉ. बर्क का निधन हो गया। कयास लगाए जा रहे हैं कि बुधवार को डॉ. बर्क को श्रद्धांजलि देने संभल आ रहे पूर्व सीएम अखिलेश नए प्रत्याशी की घोषणा भी कर सकते हैं।

संभल में सपा प्रमुख ने डॉ. बर्क को दी श्रद्धांजलि

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव बुधवार को संभल पहुंचे। वह होली सुपरफास्ट स्कूल में बन रहे हेलीपैड पर उतरने के बाद दीपासराय पहुंचकर सांसद रहे डॉ. शफीकुर्रहमान बर्क को श्रद्धांजलि दी। पूर्व सीएम दसवें की फातिहा में शामिल होने के साथ ही करीब एक घंटा रहे। यह आयोजन सैनी रोड स्थित सगीर पैलेस में हुआ।

पीएम मुद्दों से भटकाने की करते हैं कोशिश : तेजस्वी

» परिवार वाले बयान पर लालू का किया बचाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राजद नेता तेजस्वी यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर पार्टी सुप्रीमो और अपने पिता लालू प्रसाद की टिप्पणी का बचाव करते हुए भाजपा के नेताओं के अपने नाम के साथ मोदी का परिवार जोड़ने पर उनकेद्वारा जनता का ध्यान भटकाने का आरोप लगाया। यादव ने कहा कि भाजपा नेताओं द्वारा अपने नाम के साथ मोदी का परिवार जोड़ना उनके द्वारा 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले मैं भी चौकीदार बयान की याद दिलाता है जब कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने चौकीदार चोर है का नारा दिया था।

बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा, मुझे खुशी है कि लालू जी के शब्दों का इतना प्रभाव है। पर उन्होंने गरीबी और बेरोजगारी जैसे मुद्दों के बारे में भी बोला था, उनका क्या। उन्होंने और भी बहुत सारी बातें कही थीं। यादव ने कहा, प्रधानमंत्री का दावा है कि वह पूरे देश को अपने परिवार की तरह मानते हैं। अगर ऐसा है तो उनकी सरकार ने हाल के किसानों के विरोध प्रदर्शन को इतनी बेरहमी से कुचलने की कोशिश क्यों की।

कोई आना चाहता है तो हमें बताए

लोजपा सांसद चिराग पासवान का अपने चाचा एवं केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस के साथ हाजीपुर लोकसभा सीट को लेकर गतिरोध के बारे मे पूछे जाने पर राजद नेता ने सीधा कोई जवाब देने से बचते हुए कहा, मै पाला नही बदलने जा रहा हूं। अगर कोई हमारे साथ आना चाहता है तो उसे बताना होगा। अटकले लगाई जा रही है कि नीतीश कुमार के घोर विरोधी रहे चिराग राजग मे जदयू प्रमुख की वापसी को लेकर असहज है और अगर हाजीपुर पर उनके दावे को भाजपा नही स्वीकार करती है तो वह गठबंधन छोड़ सकते है।

चुनावों की घोषणा से पहले मची 'भगदड़'

यूपी और बिहार में दोनों बड़ी पार्टियां सतर्क

- नेताओं का पाला बदलने का सिलसिला जारी
- कांग्रेस व बीजेपी में जाने की लगी होड़
- क्षेत्रीय पार्टियों में उठापटक
- गुजराज में कांग्रेस के दिग्गज बीजेपी में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चुनावों की घोषणा में अब कुछ ही समय बचा है। पार्टियों में नेताओं के आने-जाने का सिलसिला जारी हो गया है। यूपी, गुजरात, ओड़िशा, बंगाल, बिहार से लकर महाराष्ट्र तक में बड़ी से बड़ी व छोटी से छोटी पार्टी के नेताओं में पार्टी छोड़ने की होड़ लगी है। ऐसा नही है खाली छोड़ने का सिलसिला जारी है वे कहीं और अपनी ठौर बनाने की जुगत में लग गए हैं। कई क्षेत्रीय दलों के नेता बीजेपी व कांग्रेस में जाने को बेताब हैं तो कुछ दिग्गज कांग्रेस व बीजेपी को त्यागर एकदूसरे के यहां शरण लेने में कामयाब हो चुके हैं। इस भागम-भाग में सबसे ज्यादा नुकसान कांग्रेस को उठाना पड़ रहा है उसके कई दिग्गज बीजेपी से गलबहियां करने को आतुर हो रहे हैं। लोकसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा होने वाली है।

इससे पहले ही कांग्रेस के साथ ही विरोधी दलों में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। हिमाचल में बगावत भले ही थम गई हो लेकिन गुजरात, ओडिशा से लेकर अरुणाचल में कांग्रेस में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। गुजरात में पार्टी को बड़ा झटका लगा है। वहीं, क्षेत्रीय दलों के नेताओं में पाला बदलने की होड़ लगी है। लोकसभा चुनाव से पहले इस भगदड़ से क्या संकेत मिल रहे हैं। आमतौर पर माना जाता है कि जिस पार्टी की हवा होती है अधिक नेताओं की तरफ से उस दल में शामिल होने की होड़ लग जाती है। फिलहाल, कांग्रेस से लेकर विपक्षी दलों में बीजेपी में शामिल होने की होड़ है तो क्या माना जा सकता है कि इस बार चुनाव में बीजेपी की जीत होगी। हालांकि, विधानसभा चुनावों का ट्रेंड देखें तो यह इस बात की पूरी तरह से तस्दीक नहीं करता है। उदाहरण के लिए विधानसभा चुनाव से पहले मध्यप्रदेश में भी कई नेता कांग्रेस में शामिल हो रहे थे लेकिन वहां कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा। इसके अलट कर्नाटक में भी कई नेता चुनाव से पहले हाथ थाम रहे थे, वहां कांग्रेस को जीत हासिल हुई।

लोकसभा चुनाव से पहले तरजीह नहीं मिलने से लेकर पार्टी में उपेक्षा झेल रहे नेता अब पार्टी से किनारा करने लगे हैं। वहीं, कई नेता हिंदुत्व विशेषकर राम मंदिर को लेकर पार्टी के रुख से भी नाराज हैं। पार्टी में हाशिये पर चल रहे नेताओं को बीजेपी समेत अन्य दलों में अपना भविष्य बेहतर नजर आ रहा है। वहीं, क्षेत्रीय दलों के नेताओं में भी असंतोष देखने को मिल रहा है। इसके अतिरिक्त बीजेपी में शामिल होने वाले नेता अपनी पार्टी में आंतरिक लोकतंत्र की कमी की भी बात कह रहे हैं। गुजरात में कांग्रेस पार्टी को एक बड़ा झटका देते हुए, वरिष्ठ नेता अर्जुन मोढवाडिया ने सोमवार को विधायक पद और पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। मोढवाडिया जनवरी में अयोध्या में भगवान राम मंदिर प्रतिष्ठा समारोह का बहिष्कार करने के पार्टी के फैसले पर नाराजगी जताई। मोढवाडिया ने हमारे सहयोगी अखबार टीओआई को बताया कि वह जल्द ही अपने समर्थकों के साथ बीजेपी में शामिल होंगे। दो अन्य, राज्य कार्यकारी अध्यक्ष और पूर्व विधायक अंबरीश डेर और नवसारी जिला अध्यक्ष धर्मेश भीम पटेल ने भी पार्टी छोड़ दी है। यह तिहरा झटका पार्टी के लिए शर्मिंदगी का कारण बन गया। इसकी वजह है कि राज्य में 7-9 मार्च तक राहुल की भारत जोड़ो न्याय यात्रा से महज दो दिन पहले इस्तीफों की झड़ी लग गई। तीन बार के विधायक मोढवाडिया ने सोमवार को स्पीकर शंकर चौधरी से मुलाकात की और विधायक के रूप में अपना इस्तीफा सौंप दिया। मोढवाडिया पहले गुजरात विधानसभा में विपक्ष के नेता और गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के रूप में कार्य कर चुके हैं।

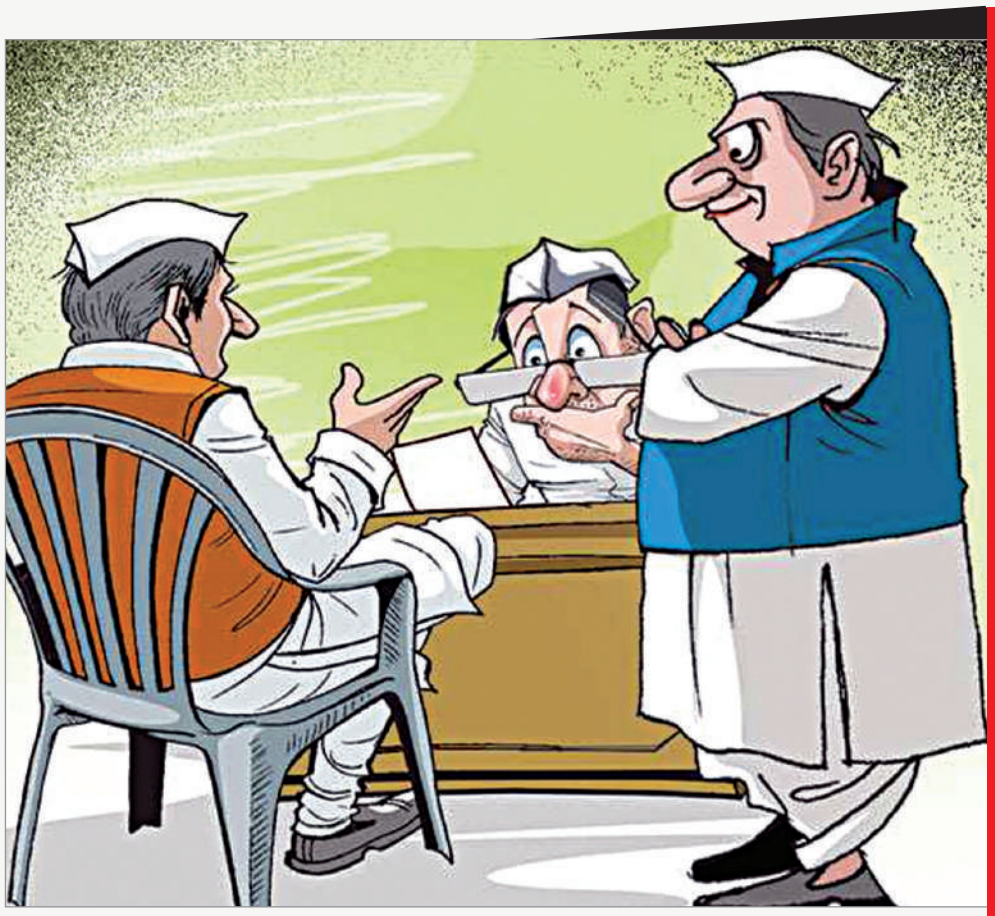

ओडिशा बीजेडी में भी असंतोष, भागम-भाग जारी

बीजद विधायक और पूर्व मंत्री प्रेमानंद नायक बीजेपी में शामिल हो गए। नायक तेलकोई विधानसभा सीट से विधायक हैं। नायक पिछले एक महीने से भी कम समय में भाजपा में शामिल होने वाले चौथे मौजूदा विधायक हैं। आदिवासी नेता और दो बार के विधायक नायक 2019 से 2022 तक मुख्यमंत्री नवीन पटनायक की परिषद में कौशल विकास और तकनीकी शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) थे। इससे पहले 9 फरवरी को नायक ने पार्टी में उपेक्षा के चलते बीजेडी से इस्तीफा देने की घोषणा की थी। नायक ने कहा कि मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लोगों की अधिक प्रभावी ढंग से सेवा करने के लिए भाजपा में शामिल हुआ। बीजद के पूर्व धामनगर विधायक राजेंद्र दास भी भगवा पार्टी में शामिल हुए। 2009 से 2014 तक धामनगर का प्रतिनिधित्व करने वाले दास ने कहा बीजेपी में लोकतंत्र है।

अरुणाचल में अब एक ही विधायक बचा

छह बार के अरुणाचल प्रदेश विधायक और सीएलपी नेता लोम्बो तायेंग सोमवार को निर्दलीय विधायक चकत अबोह के साथ बीजेपी में शामिल हो गए। विधानसभा चुनाव से पहले तायेंग के जाने से, 60 सदस्यीय विधानसभा में कांग्रेस की ताकत 2019 में चार से घटकर पूर्व सीएम नबाम तुकी के रूप में एकमात्र विधायक रह गई है। इससे पहले पिछले सप्ताह दो अन्य कांग्रेस विधायक, निनॉन्ग एरिंग और वांगलिन लोवांगडोंग भी बीजेपी में शामिल हो गए थे। साथ ही दो एनपीपी विधायकों मुत्चू मिथि और गोकर बसर ने भगवा पार्टी का दामन थाम लिया था।

बिहार में बीजेपी हुई सक्रिय

पटना जिले के दुल्हिन बाजार प्रखंड के उलार सूर्य मंदिर स्थित सामुदायिक भवन में भाजपा द्वारा लाभार्थी जनसंपर्क अभियान कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष अभिमन्यू कुशवाहा और संचालन बिक्रम मंडल प्रभारी अजेश शर्मा ने किया। मौके पर मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद राकेश सिन्हा ने बताया कि एक से चार मार्च तक बड़े स्तर पर चलाए जाने वाले लाभार्थी जनसंपर्क अभियान के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सभी कार्यकर्ता को लाभार्थियों के घर-घर जाना है और मोदी सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में उनका अनुभव प्राप्त करना है। साथ ही केंद्र सरकार द्वारा गरीब कल्याण के लिए चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी देते हुए इसे मोदी की गारंटी बताना है।उन्होंने कहा कि लोगों से 2047 तक विकसित भारत बनाने के लिए भाजपा के लिए समर्थन मांगना है।

यूपी में राहुल को घेरने में लगीं स्मृति

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को निशाने पर लिया है। केंद्रीय मंत्री ने राहुल को यूपीए सरकार और नरेंद्र मोदी सरकार के 10 वर्षों में किए गए काम के बीच अंतर पर बहस करने की चुनौती दी है। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि राहुल गांधी भाजपा के साधारण कार्यकर्ताओं के सामने भी नहीं टिक पाएंगे। नागपुर में भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा आयोजित नमो युवा महासम्मेलन को संबोधित करते हुए स्मृति ईरानी ने कहा, अगर मेरी आवाज राहुल गांधी तक पहुंच रही है तो उन्हें अपने कान खोलकर सुनना चाहिए। यूपीए सरकार और नरेंद्र मोदी सरकार के 10 वर्षों में किए गए काम के बीच के अंतर पर एक

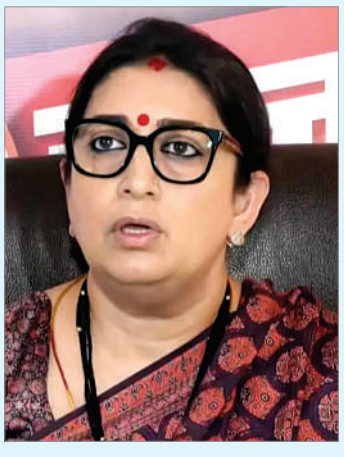

बहस हो जाए। उन्होंने यह दावा भी किया कि अगर वह यह चर्चा राहुल गांधी के साथ करना चाहेंगी तो राहुल इस बहस में शामिल नहीं होंगे। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि राहुल भाजपा के सामान्य कार्यकर्ताओं के सामने भी टिक नहीं पाएंगे। इस महासम्मेलन में स्मृति ईरानी ने कहा, मैं गारंटी देती हूं कि राहुल गांधी के सामने अगर युवा मोर्चा का एक कार्यकर्ता भी बोलना शुरू कर दे तो वह (राहुल) बोलने की ताकत खो देंगे स्मृति ईरानी ने बताया कि इन 10 वर्षों में भाजपा ने अपनी घोषणापत्र में किए तीन प्रमुख वादों को पूरा किया है। उन्होंने कहा कि घोषणापत्र में जम्मू-कश्मीर राज्य का विशेष दर्जा खत्म करने वाले अनुच्छेद 370 को हटाना, विधायिका में महिला आरक्षण और राम मंदिर का निर्माण ये तीन प्रमुख वादे थे, जिन्हें भाजपा ने पूरा किया है।

टिकट न पाने वाले बोले- पार्टी का फैसला मंजूर

बीजेपी ने 195 प्रत्याशियों की सूची जारी की है। उसमें से कई पर विपक्ष ने सवाल उठाए हैं। कुछ ने सीटें छोड़कर न लड़ने का फैसला किया है। इनमें पवन सिंह, गौतम गंभीर व उपेन्द्र रावत ने न लड़ने का फैसला कर लोकसभा टिकट वापस कर दिया है। वहीं पश्चिमी दिल्ली के सांसद प्रवेश वर्मा ने कहा कि मुझे टिकट नहीं देने के पीछे कोई कारण नहीं है। यह हमारी पार्टी है, जहां एक कार्यकर्ता सीएम बन सकता है और एक चाय बेचने वाला एक पीएम बन सकता है। बीजेपी हर कार्यकर्ता को मौका देती है। भाजपा ने अप्रैल-मई में होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की पहली सूची में दिल्ली में बड़े बदलाव की घोषणा की। चार मौजूदा सांसदों- प्रवेश वर्मा, रमेश बिधूड़ी, मीनाक्षी लेखी और हर्ष वर्धन को पार्टी ने हटा दिया, जबकि कई नए चेहरों को आगामी चुनावों के लिए मैदान में उतारा गया। यह पूछे जाने पर कि पार्टी ने उन्हें टिकट क्यों नहीं दिया, पश्चिमी दिल्ली के सांसद प्रवेश वर्मा ने कहा कि मुझे टिकट नहीं देने के पीछे कोई कारण नहीं है। यह हमारी पार्टी है, जहां एक कार्यकर्ता सीएम बन सकता है और एक चाय बेचने वाला एक पीएम बन सकता है। बीजेपी हर कार्यकर्ता को मौका देती है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

सशस्त्र बलों में बराबरी पर अहम फैसला

दरअसल,सुप्रीम कोर्ट ने कोस्टगार्ड मामले में महिलाओं को परमानेंट कमिशन देने का फैसला सुनाया है, जिससे सुरक्षा ढांचे पर पुरुष प्रधानता सोच पर चोट पहुंची। यह फैसला जेंडर न्यूट्रल पॉलिसी का एक महत्वपूर्ण कदम है। एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट ने देश के सुरक्षा ढांचे के अंदर पलती पितृसत्तात्मक सोच पर कड़ी चोट की है। इस बार मामला कोस्टगार्ड से जुड़ा है।

पिछले कुछ दिनों से शीर्ष अदालतों के फैसले ऐतिहासिक हो रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने एक से बढ़कर एक फैसले दिये जो आमजन के हित में हैं। अभी हाल ही में महिलाओं को लाभ पहुंचाने वाले भी कई फैसले लिए गए। उसी में कोस्टगार्ड मामले में भी एक अहम निणर्य आया हैं। दरअसल,सुप्रीम कोर्ट ने कोस्टगार्ड मामले में महिलाओं को परमानेंट कमिशन देने का फैसला सुनाया है, जिससे सुरक्षा ढांचे पर पुरुष प्रधानता सोच पर चोट पहुंची। यह फैसला जेंडर न्यूट्रल पॉलिसी का एक महत्वपूर्ण कदम है। एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट ने देश के सुरक्षा ढांचे के अंदर पलती पितृसत्तात्मक सोच पर कड़ी चोट की है। इस बार मामला कोस्टगार्ड से जुड़ा है। सुप्रीम कोर्ट के रुख ने इतना तय कर दिया है कि कोस्टगार्ड में महिलाओं को परमानेंट कमिशन देने में अब और टालमटोल नहीं किया जा सकेगा। इस संबंध में अचरज की बात यही है कि महिला-पुरुष बराबरी को लेकर देश-दुनिया में चल रहे विमर्श से हमारे सरकारी ढांचे का कोई हिस्सा इस कदर उदासीन कैसे हो सकता है।

ध्यान रहे कि सशस्त्र बलों में बराबरी का व्यवहार पाने का महिलाओं का संघर्ष भी इसी दौर में चला। सुप्रीम कोर्ट ने 2020 के फैसले में आर्मी को निर्देश दिया कि महिलाओं को परमानेंट कमिशन देना होगा। अदालत ने इसके खिलाफ दी जाने वाली सारी दलीलों को खारिज कर दिया। बावजूद इसके, कोस्टगार्ड से जुड़े इस मामले में भी मिलते-जुलते से तर्क सुनने को मिले। मिसाल के तौर पर, कहा गया कि कोस्टगार्ड की फंक्शनिंग सेना या नौसेना से अलग है। ठीक ही अदालत ने इस तरह की दलीलों के विस्तार में गए बगैर ही उन्हें यह कहते हुए काट दिया कि 2024 में फंक्शनल डिफरेंस वाले तर्क नहीं चलेंगे। चाहे जो भी डिफरेंस हो और जो भी बाधाएं हों, महिलाओं को परमानेंट कमिशन देना ही होगा। जाहिर है, अब आगे बात इस पर नहीं होगी कि यह देना है या नहीं, मसला सिर्फ यह होगा कि कैसे देना है। सवाल यह भी है कि जब सशस्त्र बलों में यह मामला उठा था, तब भी कहा गया था सरकार को जेंडर न्यूट्रल पॉलिसी बनाने की पहल करनी चाहिए। मगर ऐसा लगता है कि सरकार की ओर से इस दिशा में कोई खास सार्थक प्रयास नहीं हुए। वरना सर्वोच्च अदालत के सामने 'फंक्शनल डिफिकल्टीज' गिनाने की कवायद में लगने के बजाय यह बताया जाता कि उन बाधाओं को दूर करने में कितनी कामयाबी मिली है। वैसे सुप्रीम कोर्ट ने भी साफ कर दिया है कि यह मामला याचिकाकर्ता तक सीमित नहीं है, लेकिन अगर मिसाल के तौर पर इस खास मामले का जिक्र करें तो भी इंडियन कोस्टगार्ड में पायलट के तौर पर 14 साल के अपने कार्यकाल के दौरान याचिकाकर्ता ने समंदर में 300 जानें बचाईं। उनके खाते में 4500 फ्लाइंग आवर्स दर्ज हैं जो सशस्त्र बलों में महिला और पुरुष दोनों श्रेणियों में सबसे ज्यादा है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

कांग्रेस हाईकमान के लिए नयी असहज स्थिति

राजेश रामचंद्रन

तकरीबन सात साल पहले, गुजरात में राज्य सभा के लिए चुनाव होने को था, जिसने भाजपा की नई अर्जित अजेयता को झुठला डाला। तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के राजनीतिक सलाहकार अहमद पटेल पांचवीं बार राज्य सभा की सदस्यता के चाहवान थे। गुजरात से तीन सीटों पर चुनाव होना था जिसमें संख्याबल के मुताबिक 2 भाजपा को तो 1 कांग्रेस के हिस्से आती। भाजपा की ओर से तत्कालीन अध्यक्ष अमित शाह और केंद्रीय कैबिनेट मंत्री स्मृति ईरानी प्रत्याशी थे, जिनका निर्विघ्न चुना जाना तय था। गुजरात विधानसभा के नेता-प्रतिपक्ष शंकर सिंह वघेला अपने वफादारों सहित बागी हो गए। हालांकि कांग्रेस के हाथ में फिर भी 44 विधायक थे, जो पटेल की जीत के लिए काफी थे। लेकिन पटेल और हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के बीच फर्क यह है कि दिवंगत पटेल ने सबसे बदतर परिस्थिति के मद्देनजर रणनीति पहले से तैयार कर रखी थी।

उस वक्त दो कांग्रेसी विधायकों ने पीठ में छुरा घोंपा भी, परंतु मतपत्र भाजपा को दिखाने के कारण उनकी वोटें अमान्य करार दी गईं। तथापि, पटेल का मास्टर स्ट्रोक यह रहा कि उन्होंने आखिरी क्षणों में आशंकित किसी चुनौती से निबटने की पूर्व तैयारी की हुई थी। उन्होंने भाजपा के एक बागी और सहयोगी दल जद(यू) के एक विधायक को साध रखा था, अतएव इनकी दो वोटों ने परिणाम में सारा अंतर डाल दिया। अगस्त 2017 में हुई पटेल की जीत ने, मोदी के सत्ता में आने के तीन साल बाद, कांग्रेस और विपक्ष को मनोबल प्रदान किया, यह सिद्ध करते हुए कि भाजपा को उसी के गढ़ में परास्त किया जा सकता है। राजनीति के मैदान में कोई महाप्रवीण नहीं होता, बल्कि अच्छी योजना बनाने और उस पर क्रियान्वयन करने वाले महारथी कहलाते हैं। इस जादुई पैंतरे का श्रेय पटेल को जाता है। लेकिन यह न तो हाथ की सफाई थी व न ही कोई दिव्य दृष्टि। यह राजनीति के मूल नियम पर आधारित था कि आपातकालीन संकटमोचक हल अपने हाथ में पहले से हो।

चुनाव जीतने को संख्याबल की जरूरत होती है और उसका हिसाब बारम्बार रखना पड़ता है। सत्ता नीत राजनीति में कहावत है,'जो सबसे नजदीकी है वही सबसे ज्यादा नुकसान करेगा', और इससे प्रथम सीख यह है

कि अपनों द्वारा खिसक जाने पर, अतिरिक्त संख्या तैयार रखना। पटेल का जादू यह था कि उन्होंने भाजपा और जदयू, दोनों का एक-एक विधायक अपने पक्ष में तोड़ लिया। लेकिन इसके लिए नेता के अंदर निजी पैठ का होना जरूरी है ताकि विधायकों की गिनती बनी रहे और जरूरत पड़ने पर बढ़ोतरी हो पाए। कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व ने उन तमाम वरिष्ठों को खफा कर डाला है, जो ऐसे वक्त में हालात संभाल पाते, वे जो नब्ज पढ़ने, अपने साथियों या विद्रोहियों का सटीक अंदाजा लगाने की काबिलियत रखते थे। सोनिया गांधी के अध्यक्षता काल के बाद ऐसे लोगों की सेवाओं की जरूरत कांग्रेस ने नहीं समझी। नए विकल्पों से बदले बगैर पुराने नेताओं को दरकिनार कर दिया। इसी कारण कांग्रेस के वकील और नेता अभिषेक मनु सिंघवी को असहज स्थिति झेलनी पड़ी और कहना पड़ा कि राज्य सभा चुनाव की पूर्व संध्या पर जिनके साथ भोजन किया उनके चरित्र को भांप न पाया। यह आश्चर्यजनक है, क्योंकि हर किसी को सुक्खू के खिलाफ अंदर ही अंदर सुलग रही बगावत का भान था, जिस पर केंद्रीय नेतृत्व ने ध्यान देना गवारा नहीं किया। शुरुआत से ही, कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व हमेशा विद्रोहियों को प्रोत्साहित और पुरस्कृत करता आया है ताकि स्थानीय क्षत्रपों को काबू में रखा जा सके। हाईकमान की ऐसी शह प्राप्त विधायकों का सबसे बढ़िया उदाहरण सुक्खू हैं, जिन्होंने हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस के सबसे लोकप्रिय नेता वीरभद्र सिंह - जो छह मर्तबा मुख्यमंत्री, नौ बार विधायक और पांच दफा सांसद रहे - उन्हें सदा नश्तर चुभोए रखा। वर्तमान संकट सिद्ध करता है कि विद्रोही होना और नेतृत्व करने की वास्तविक योग्यता होना, अलग गुण हैं। सुक्खू से नाराज नेताओं का आरोप है कि वे जन कार्य विभाग के उन अधिकारियों को तंग कर रहे हैं जिन्होंने दिवंगत वीरभद्र सिंह की पत्नी और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष व सांसद प्रतिभा सिंह की मदद एक शिलान्यास समारोह में की। जाहिर है ऐसे मुख्यमंत्री को क्या मालूम कि उनके दल में क्या खदबदा रहा है।

यह इंदिरा गांधी ही थीं जो अपने स्थानीय शीर्ष नेताओं को सदा खौफ में रख सकती थीं। क्योंकि न केवल वे जवाहरलाल नेहरू की बेटी थीं बल्कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान सक्रिय रही थीं। स्थानीय नेताओं और उनके विरोधियों से भी, बिना किसी मध्यस्थ द्वारा परिचय करवाए, उनका सीधा राबता रहता था।

गेहूं की पैदावार में ठहराव चिंताजनक

डॉ. वीरेन्द्र सिह लाठर

पिछले 6 वर्षों में सरकार द्वारा रिकार्डतोड़ गेहूं उत्पादन के दावों के विपरीत, गेहूं के उत्पादन और उत्पादकता में ठहराव देश की खाद्य सुरक्षा के लिए गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है। पिछले 50 वर्षों से, हरित क्रांति दौर की तकनीकों को अपनाने से मुख्य अनाज फसलों गेहूं-धान की पैदावार में लगातार विकास ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा को स्थायित्व प्रदान किया है। भारत में गेहूं की खेती परम्परागत तौर पर उत्तरी प्रदेशों पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश आदि के मैदानी क्षेत्रों में भरपूर मात्रा में होती है। लेकिन पिछले 3 दशकों में सिंचाई सुविधाओं में वृद्धि होने से देश के मध्य क्षेत्र के प्रदेश राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुजरात आदि भी गेहूं उत्पादक राज्य बन गये हैं। वर्ष 2022-23 के दौरान, भारत में 110 मिलियन टन गेहूं उत्पादन हुआ और वैश्विक बाजार में 11,826.90 करोड़ रुपये की कीमत का कम गेहूं निर्यात किया गया।

दुनियाभर में, भारत गेहूं का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश है। भारत में 2000 के बाद से, गेहूं उत्पादन करने वाले क्षेत्र में 17 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है, जबकि गेहूं उत्पादन में 40 फीसदी की वृद्धि हुई है। प्रकृति में, गेहूं की फसल को अच्छी पैदावार के लिए ज्यादा अवधि के सर्दकालीन ठंडे मौसम की जरूरत होती है, इसलिए गेहूं फसल की खेती को दक्षिण व तटीय प्रदेशों में बढ़ाना तकनीकी तौर पर सम्भव नहीं है। केन्द्र सरकार के सार्वजनिक सूचना ब्यूरो द्वारा 14 मार्च, 2023 को जारी जानकारी के अनुसार वर्ष 2022-23 में गेहूं लगभग 31.86 मिलियन हेक्टेयर भूमि पर उगाया गया और वर्ष 2014 से 2023 के दौरान देश में गेहूं खेती के क्षेत्रफल में मामूली वृद्धि दर्ज हुई, जो मुख्यत: मध्यप्रदेश, गुजरात, राजस्थान आदि मध्य क्षेत्र के प्रदेशों में हुई है। जबकि परम्परागत गेहूं उत्पादक प्रदेशों उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा आदि में गेहूं खेती का क्षेत्रफल पहले से कम हुआ और हरियाणा में तो गेहूं की उत्पादकता में भी कमी दर्ज हुई है। देश में पिछले 6 वर्षों से 95 प्रतिशत सिंचित क्षेत्र में होने के बावजूद गेहूं फसल की उत्पादकता 33-35 क्विंटल प्रति हेक्टेयर पर अटकी हुई है। जो देश में गेहूं की उत्पादकता में ठहराव का सूचक है।

ऐसे में लगातार बढ़ती जनसंख्या की घरेलू मांग को पूरा करने के लिए, वर्ष 2050 तक भारत को 140 मिलियन टन गेहूं की आवश्यकता का अनुमान सरकार द्वारा लगाया जा रहा है। लेकिन भविष्य में गेहूं खेती के क्षेत्रफल के बढ़ने की ज्यादा संभावना नहीं है। इसलिये गेहूं फसल की उत्पादकता को मौजूदा 34 से 47 क्विंटल प्रति हेक्टेयर करने का लक्ष्य रखना होगा। जो कि देश में उपलब्ध उन्नत तकनीक के आधार पर असंभव तो नहीं, लेकिन मुश्किल जरूर रहेगा। क्योंकि उत्तर भारतीय गेहूं उत्पादक प्रदेशों पंजाब और हरियाणा आदि में गेहूं फसल की औसत पैदावार 45 क्विंटल प्रति हेक्टेयर के आसपास ठहर गई है, और मध्य भारत के प्रदेशों में, गेहूं फसल को कम अवधि के सर्द मौसम मिलने से, गेहूं की औसत पैदावार में एक-तिहाई की कमी रहती है।

दुर्भाग्य से, भारत में उपलब्ध फसल उत्पादन के सरकारी आंकड़ों की विश्वसनीयता पर भी गहरा संकट छाया हुआ है। पिछले कुछ वर्षों से, पहले रिकार्डतोड़ फसल उत्पादन का दावा करने के बाद, सरकार स्वयं ही गेहूं जैसी मुख्य फसलों के आंकड़े घटाती रही है। वर्ष 2021-22 में, सरकार ने पहले 111 मिलियन टन से ज्यादा गेहूं उत्पादन का दावा किया था, लेकिन बाद में इन आंकड़ों को लगभग 6 प्रतिशत घटाकर 105 मिलियन टन करना पड़ा था। इन आंकड़ों के कारण ही सरकार वर्ष 2022-23 सीजन में 44.4 मिलियन टन लक्ष्य के मुकाबले मात्र 18.8 मिलियन टन और वर्ष 2023-24 सीजन में 34 मिलियन टन लक्ष्य के मुकाबले मात्र 26 मिलियन टन गेहूं की सरकारी खरीद कर सकी है। इसके दुष्प्रभाव से सरकार को अचानक गेहूं निर्यात पर प्रतिबंध लगाने पड़े थे। अमेरिका के कृषि विभाग के अनुसार, भारत में वर्ष 2018 से 2023 के दौरान, गेहूं का कुल उत्पादन औसतन 107 मिलियन टन और उत्पादकता 3.4 टन प्रति हेक्टेयर के आसपास थम गई है। इसी तरह धान की औसत पैदावार भी लगभग 4.1 टन प्रति हेक्टेयर पर ठहरी हुई है। इसी दौरान भारत के कुल धान उत्पादन में दर्ज हुई वृद्धि, धान क्षेत्र के बढ़ने (44 से 47 मिलियन हेक्टेयर) के कारण से हुई है। वर्ष 2023-24 में चावल उत्पादन 132 मिलियन टन रहा।

अनुमान के अनुसार भारत में घरेलू खपत के लिए 105 मिलियन टन गेहूं और 109 मिलियन टन चावल वार्षिक की आवश्यकता होती है। जिसके अनुसार वर्तमान में गेहूं-धान का उत्पादन देश की वार्षिक घरेलू मांग के लगभग बराबर ही हो रहा है। इसलिये मौसम में बदलाव होने पर, सरकार को घरेलू सप्लाई सुनिश्चित करने के लिए गेहूं और चावल के निर्यात व स्टाक लिमिट जैसे प्रतिबंध बार-बार लगाने पड़ते हैं। ऐसे हालात में, सरकार के नीतिकारों द्वारा गेहूं-धान के फसल चक्र की बजाय फसल विविधीकरण की अव्यावहारिक बातें करना राष्ट्रीय हित में नहीं है। हाल ही में हरियाणा और पंजाब सरकारों द्वारा बजट सेशन में पेश वार्षिक 'इकोनोमिक सर्वे रिपोर्ट' भी इन प्रदेशों में पिछले 5 वर्षों में गेहूं उत्पादन और उत्पादकता में ठहराव की पुष्टि करती है।

मां के लिए तोहफा

मां के लिए महिला दिवस पर तोहफे में वक्त दे सकते हैं। उनके साथ समय बिताएं, बातें करें या रसोई के कामकाज में मदद करें। मां को इससे ज्यादा कुछ नहीं चाहिए। हालांकि अगर आप उन्हें कोई यादगार तोहफा देना ही चाहते हैं तो साड़ी दे सकते हैं। उनके लिए चूड़ियां या कंगन ला सकते हैं। आनलाइन माध्यम से आप बजट में मां के लिए तोहफे खरीद सकते हैं।

पत्नी के लिए तोहफा

8 मार्च को पत्नी को तोहफा देकर उन्हें महिला होने पर गर्व महसूस करा सकते हैं। तोहफे में झुमके या ब्रेसलेट, पेंडेंट दे सकते हैं। उनकी पसंद की चोई चीज भी उन्हें तोहफे में दे सकते हैं। खास डिनर प्लान कर सकते हैं।

बहन के लिए तोहफा

बहन को बताएं कि बेटी होना या लड़की होना कमजोरी नहीं, बल्कि ब्लेसिंग की तरह है। इसके लिए बहन को महिला दिवस के मौके पर तोहफे में पर्स, हैंडबैग, कोई किताब दे सकते हैं। सबसे बेहतर तोहफा देना चाहते हैं तो उन्हें आत्मसुरक्षा के लिए तैयार करें। इसके लिए उनका किसी डिफेंस क्लास, जैसे जूडो, बॉक्सिंग आदि में एडमिशन कराएं। शॉपिंग कार्ड देना भी एक अच्छा ऑप्शन हो सकता है। लड़कियों को ऑनलाइन कपड़े, फुटवियर की खरीदारी करना काफी पसंद आता है। अगर आपकी बहन वर्किंग है तो ईयरबड्स से अच्छा गिफ्ट कुछ और हो ही नहीं सकता है। यह ट्रैवलिंग के दौरान गाना सुनने से लेकर ऑफिस मीटिंग के वक्त बात करने के लिए खूब काम आयेगा।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

महिलाओं को तोहफा देकर कराएं खास एहसास

हर साल 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। महिलाएं घर-परिवार, समाज और राष्ट्र के निर्माण में अहम भूमिका निभाती हैं। जीवन में महिला किसी भी रूप में हो तो जीवन व्यवस्थित और खुशहाल बन सकता है। शुरुआत घर में मां से करते हैं, जो जन्मदात्री होती हैं, उसके बाद बहन जो पहली दोस्त की तरह होती है। फिर पत्नी जो आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करती है और बेटी जो जीवन की भागदौड़ में सुकून के पल देती है। महिलाओं के इन्हीं खास योगदान के लिए उनका आभार व्यक्त करने के उद्देश्य से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। इस मौके पर जीवन से जुड़ी हर महिला, चाहे वह परिवार में, स्कूल-कॉलेज या दफ्तर में हो, उसे खास महसूस कराएं। कुछ छोटी-छोटी खुशियां देकर उन्हें महिला होने पर गर्व की अनुभूति करा सकते हैं।

बेटी के लिए तोहफा

बेटी के लिए चॉकलेट, केक या अन्य कोई मनपसंद तोहफा देकर महिला दिवस को सेलिब्रेट करें। उन्हें बाहर घूमाने ले जा सकते हैं। अगर बेटी बड़ी है तो आज उसकी स्कूटी के पीछे बैठें या कार व बाइक चलाना सिखा सकते हैं। बेटी छोटी है तो उसे महिला होने के फायदे गिनाएं। उसे बताएं कि वह क्या-क्या कर सकती है। तोहफे में आप हेयर स्टाइलिंग टूल्स भी गिफ्ट कर सकते हैं। लड़कियों के लिए बाल संवारने वाली चीजों से बेहतर कुछ और हो ही नहीं सकता। कई ऐसी वेबसाइट है जहां पर आपको बजट में बेहतरीन हेयर स्टाइलिंग टूल्स मिल जाएंगे। अगर आपकी बेटी को ट्रैवलिंग का शौक है तो आप उसे हॉलिडे पैकेज भी गिफ्ट कर सकते हैं। इस गिफ्ट को देखकर आपकी बहन के चेहरे पर मुस्कुराहट जरूर आ जाएगी।

महिला मित्रों के लिए गिफ्ट

महिला मित्र को तोहफे में कोई किताब, चॉकलेट या फूल देकर महिला दिवस की शुभकामनाएं दें। उन्हें थैंक यू कार्ड भी दे सकते हैं और एक नारी के तौर पर आपके जीवन और समाज में खुशहाली लाने, कई रंग भरने के लिए आभार दें। गिफ्ट के लिए घड़ी भी बहुत बढ़िया मानी जाती है। गिफ्ट देने के लिए यह गिफ्ट आकर्षक चॉइस हो सकती है। यह वॉच बहुत ही स्टाइलिश और लेटेस्ट फैशन वाली है। इसमें क्वार्ट्ज वॉच मूवमेंट मिल रही है। यह रोज गोल्ड कलर में मिल रही है। जो की महिलाओं को बहुत ही ज्यादा पसंद आ सकता है।

हंसना मना है

जब देखा उन्होंने तिरछी नजर से, तो हम मदहोश हो गए। पर जब पता चला की नजर ही तिरछी है, तो हम बेहोश हो गए!

पत्नी : फोन पे इतनी धीमी आवाज में किस से बात कर रहे हो? पति : बहन से। पत्नी : तो फिर इतनी धीमी आवाज में किस लिए? पति : तेरी है, इसलिए।

पत्नी : शादी के दस साल हो गए और एक आप है, जो आज तक कही घूमाने तक नहीं ले गए। पति : ठीक है आज घूमने चलेंगे। शाम को पति, पत्नी को लेकर श्मशान घाट ले गया! पत्नी गुस्से से बोली : छी श्मशान भी कोई घूमने की जगह होती है? पति : अरे पगली लोग मरते हैं यहां आने के लिए।

बेटा : पापा आप शराब मत पिया करो। पापा : पिने दे बेटा, साथ क्या लेकर जाना है? बेटा : आप इसी तरह पीते रहे तो छोड़कर भी क्या जाओगे?

जितना गौर से लोग टकराने के बाद एक दूसरे को देखते हैं, उतनी गौर से अगर पहले ही देख लें, तो टक्कर ही नहीं होती।

अगर बीवी अपनी साड़ी का पल्लू अपनी कमर में ठूस ले तो समझ जाओ की, या तो वो घर का काम निपटाएगी, या फिर आपको!

कहानी — मित्र-द्रोह का फल

बहुत साल पहले हिम्मत नगर में दो पक्के दोस्त धर्मबुद्धि और पापबुद्धि रहा करते थे। एक दिन पापबुद्धि के मन में ख्याल आया कि क्यों न दूसरे नगर जाकर कुछ पैसा कमाया जाए। पापबुद्धि ने सोचा धर्मबुद्धि को भी साथ ले चलें, जिससे खूब सारा पैसा कमाएंगे और फिर लौटते समय वो धर्मबुद्धि से उसका पैसा हड़प लेगा। अपनी चाल को पूरा करने के लिए उसने धर्मबुद्धि को दूसरे शहर जाने के लिए मना लिया। दोनों अपने नगर से खूब सारा सामान लेकर दूसरे शहर पहुंच गए। कुछ महीनों तक वहीं रहकर धर्मबुद्धि और पापबुद्धि ने सामान को काफी अच्छी कीमत में बेचा। जब खूब रकम इकट्ठा कर ली, तो दोनों एक दिन अपने नगर की ओर लौटने लगे। पापबुद्धि अपने दोस्त धर्मबुद्धि को जंगल के रास्ते से लेकर आया। पापबुद्धि ने कहा, मित्र देखो, अगर हम अपने नगर इतना सारा धन लेकर जाते हैं, तो समस्या हो सकती है। चोर इसे चुरा सकते हैं, कुछ उधार भी मांग लेंगे। ऐसे में हम आधा धन इसी जंगल में छिपा देते हैं। धर्मबुद्धि ने धन को छुपाने के लिए हां कर दी। पापबुद्धि ने गड्ढा खोदकर धन को जंगल में एक पेड़ के पास छिपा दिया। फिर कुछ दिनों बाद बिना अपने दोस्त को बताए, पापबुद्धि अकेले सारा धन उस जंगल से लेकर आ गया। समय बीतता गया और एक दिन धर्मबुद्धि को पैसे की जरूरत पड़ी। तो धर्मबुद्धि सीधे अपने मित्र पापबुद्धि के पास गया और कहने लगा, मुझे पैसों की जरूरत है, जंगल से पैसे निकालकर ले आते हैं। पापबुद्धि राजी हो गया और दोनों जंगल की ओर निकल गए। जैसे ही धर्मबुद्धि ने गड्ढा खोदा, तो वहां पैसा न देखकर चौंक गया। इतने में ही पापबुद्धि ने शोर मचाना शुरू कर दिया और धर्मबुद्धि पर चोरी का आरोप लगाया। हो-हल्ला होने के बाद पापबुद्धि न्यायालय पहुंचा। न्यायाधीश ने सारा मामला सुना तो सच्चाई का पता लगाने के लिए अपनी दिव्य शक्ति से परीक्षा लेने का निर्णय लिया। इसके बाद न्यायाधीश ने दोनों को आग में हाथ डालने का आदेश दिया। चतुर पापबुद्धि ने कहा, अग्नि में हाथ डालने की कोई जरूरत नहीं है, खुद वन देव मेरी सच्चाई की गवाही देंगे। न्यायाधीश ने उसकी बात मान ली। धूर्त पापबुद्धि पास के ही एक सूखे पेड़ में छिप गया। जैसे ही न्यायाधीश ने वन देवता से पूछा कि आखिर धन की चोरी किसने की तो जंगल से आवाज आई, धर्मबुद्धि ने चोरी की है। इतना सुनते ही धर्मबुद्धि ने जिस पेड़ की तरफ से आवाज आई, उसी पेड़ को आग के हवाले कर दिया। आग लगते ही पेड़ से चिल्लाते हुए पापबुद्धि बाहर निकला और झुलसी हालात में सारा सच बयां कर दिया। सच्चाई का पता चलते ही न्यायाशीध ने पापबुद्धि को फांसी की सजा सुना दी और धर्मबुद्धि को उसके पैसे दिलवा दिए।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। आय में निश्चितता रहेगी। नौकरी में कार्यभार बढ़ेगा। सहकर्मी साथ नहीं देंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें।

वृषभ — डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। नौकरी में मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। शेयर मार्केट में जल्दबाजी न करें। व्यापार लाभदायक रहेगा।

मिथुन — कार्यस्थल पर परिवर्तन की योजना बनेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे।

कर्क — तीर्थदर्शन की योजना फलीभूत होगी। सत्संग का लाभ मिलेगा। आत्मशांति रहेगी। यात्रा संभव है। व्यापार ठीक चलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। दूसरों की जवाबदारी न लें।

सिंह — चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। किसी अपरिचित व्यक्ति पर अतिविश्वास न करें। किसी भी प्रकार के विवाद में न पड़ें।

कन्या — किसी व्यक्ति विशेष का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार लाभदायक रहेगा। पारिवारिक सदस्यों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता में वृद्धि होगी।

तुला — स्थायी संपत्ति के कार्य मनोनुकूल लाभ देंगे। किसी बड़ी समस्या का हल सहज ही प्राप्त होगा। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का सहयोग मिलेगा। भाग्य अनुकूल है।

वृश्चिक — रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। पार्टी व पिकनिक का आयोजन हो सकता है।

धनु — विवाद को बढ़ावा न दें। कानूनी अड़चन से सामना हो सकता है। बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। दौड़धूप से स्वास्थ्य पर असर पड़ सकता है।

मकर — मित्रों का सहयोग करने का मौका प्राप्त होगा। मेहनत का फल मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। लेन-देन में सावधानी रखें।

कुम्भ — उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। किसी बड़े काम को करने की योजना बनेगी। आत्मसम्मान बना रहेगा। व्यापार लाभदायक रहेगा। मित्रों के साथ अच्छा समय बीतेगा।

मीन — यात्रा मनोरंजक रहेगी। कोई बड़ा काम होने से प्रसन्नता रहेगी। कारोबार में वृद्धि होगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। धन प्राप्ति सुगम होगी। समय अनुकूल है।

बॉलीवुड | मन की बात

मुझे महारानी की वजह से एक अलग पहचान मिली : हुमा

हुमा कुरैशी इन दिनों बॉलीवुड में सुर्खियां बटोर रही हैं। जल्द ही उनका ओटीटी शो महारानी का तीसरा सीजन रिलीज होने जा रहा है। महारानी शो ने हुमा के करियर को एक नई ऊंचाई दी है। अपने इस शो के प्रमोशन के दौरान हुमा अपने करियर के उतार-चढ़ाव और फ्यूचर प्लान के बारे में मीडिया से बातें करती दिखाई दीं। हुमा कुरैशी ने साल 2012 में फिल्म गैंग्स ऑफ वासेपुर से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। अपने शुरूआती दिनों को याद करते हुए हुमा कहती हैं, मुझे लोग मेरी पहली फिल्म के बाद पहचानने लगे थे। मैं कई बड़ी फिल्मों का भी हिस्सा रही हूं, लेकिन जो संतुष्टि मुझे महारानी करके मिली है वह मुझे पहले कभी नहीं महसूस हुई। मुझे महारानी की वजह से एक अलग पहचान मिली है। हुमा कुरैशी अपनी बात जारी रखते हुए कहती हैं, देखिए महारानी कर रही हूं और शो की कहानी मेरे इर्द-गिर्द बुनी गई है। मेरे काम को दर्शकों ने काफी सराहा भी है। अब मैं उस मुकाम पर पहुंच गई हूं जहां मैं मन मुताबिक काम और फीस दोनों चार्ज कर सकती हूं। हुमा कुरैशी फिल्म डेढ़ इश्किया से लेकर बदलापुर जैसी फिल्मों में अपने अभिनय का जलवा बिखेर चुकी हैं। हुमा महारानी के नए सीजन के बारे में बात करते हुए कहती हैं, यह सीजन पिछले सभी सीजन के मुकाबले बोल्ड और बेहतर है। लोग रानी भारती को काफी कुछ दांव पर लगाते देखेंगे। मुझे यकीन है कि उन्हें यह सीजन भी पसंद आएगा। मैं अपने किरदार के ग्रोथ को लेकर काफी खुश हूं। सच कहूं तो, किसी भी अभिनेता के लिए बहुत सारे किरदार निभाने से कहीं ज्यादा जरुरी है, पांच यादगार भूमिकाएं निभा लेना। जिसे लोग उनके जाने के बाद भी याद करें। मैंने एक निभा लिया है, चार और निभाने बाकी हैं।

कंगना के 'नेपोटिज्म' वाले बयान पर हैरान हुए इमरान

इमरान हाशमी ने अपने करियर में वो फेज देखा है जब आप जनता के बीच एक रियल स्टार माने जाते हैं। बाद में इमरान लाइमलाइट से थोड़ा दूर हुए और उन्होंने अलग तरीके के किरदार और फिल्में चुनना शुरू किया। अब वो जल्दी ही अपनी नई वेब सीरीज शो टाइम के साथ जनता को एंटरटेन करने आ रहे हैं। उनका ये शो फिल्म इंडस्ट्री के अंदर चलने वाले पावर-स्ट्रगल पर फोकस करता है।

अपना नया शो प्रमोट कर रहे इमरान ने एक नए इंटरव्यू में बॉलीवुड के अंदर पावर-स्ट्रगल को लेकर चल रही सबसे बड़ी बहस नेपोटिज्म पर खुलकर बात की। इमरान ने कहा कि ये सारी बातें और बहसें कोविड के दौर में ज्यादा आगे बढ़ीं जब इंडस्ट्री को लेकर सोशल मीडिया पर बहुत नेगेटिव माहौल बना हुआ था। इमरान की को-स्टार रह चुकीं एक्ट्रेस कंगना रनौत ने करण जौहर के शो पर कई साल पहले नेपोटिज्म का मुद्दा उठाया था, जो आज भी बहुत बड़ी बहस बना हुआ है। कंगना के इस स्टैंड पर भी इमरान ने अपनी राय रखी।

इमरान ने कहा, कोविड के बाद वाले दौर में इंडस्ट्री को लेकर फैली नेगेटिविटी पर बात की। उन्होंने कहा कि ये चीजें सही नहीं थीं। इमरान बोले, वो सही नहीं था। मुझे नहीं पता कि कहां से ये चीजें शुरू हुईं, किसने ये बात शुरू की और एजेंडा क्या था। लेकिन कोविड के बाद बहुत सारी नेगेटिविटी थी।

सुशांत का एपिसोड रहा हो या ये पूरा बॉयकॉट बॉलीवुड का ट्रेंड रहा हो। इसी दौर में पहले से चल रही नेपोटिज्म की बहस सोशल मीडिया का सबसे गर्म मुद्दा बनी थी। इस शब्द और फिनोमिना को बहस में लेकर आने वाली अपनी को-स्टार कंगना पर बात करते हुए इमरान ने कहा, कंगना को मैं पर्सनली बहुत पसंद करता हूं। एक आर्टिस्ट के तौर पर, एक व्यक्ति के तौर पर। उनका शायद कोई पर्सनल एक्सपीरियंस रहा हो इंडस्ट्री में ऐसा। हमारा एक्सपीरियंस ये था कि मैंने उससे पहले एक हिट दी थी और गैंगस्टर में मैंने ऐसा रोल किया जो ऑलमोस्ट एक विलेन का रोल था, जबकि वो सेंटर-स्टेज थीं, वो लगभग एक फीमेल सेंट्रिक फिल्म थी।

मडगांव एक्सप्रेस में लेडी गैंगस्टर के किरदार में दिखेंगी छाया कदम

फिल्म मडगांव एक्सप्रेस के ट्रेलर का काउंटडाउन जबरदस्त चल रहा है। फिल्म के हालिया रिलीज टीज़र में फीमेल डॉन, कंचन कोम्बडी दिखाई दी थीं। जिन्हें देख फैंस का उत्साह और बढ़ा गया है। रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर की एक्सेल एंटरटेनमेंट के तले बनीं फिल्म चर्चा में हैं। फिल्म की टैलेंटेड कास्ट में दिव्येंदु, प्रतीक गांधी, अविनाश तिवारी, नोरा फतेही, उपेन्द्र लिमये, और छाया कदम हैं।

इस फिल्म का ट्रेलर आने में सिर्फ एक ही दिन बाकी है, जो एक अनोखा और हंसी से भरी यात्रा का वादा करता है। कंचन कोम्बडी की एंट्री ने कहानी में एक अनोखी उड़ान भर दी है, जिससे फिल्म अब एक्साइटमेंट की एक दौड़ती ट्रेन में बदल गई है, जिससे दर्शक बंधे हुए हैं और बेसब्री से मैडनेस से भरी इस दुनिया के सामने आने का इंतजार कर रहे हैं।

मडगांव एक्सप्रेस में कंचन कॉंबडी के लुक ने एक अलग ही उत्सुकता और तारीफों का माहौल बना दिया है। उनका स्वैग और आकर्षक सनग्लासेज, को देख कहना गलत नहीं होगा की सच में

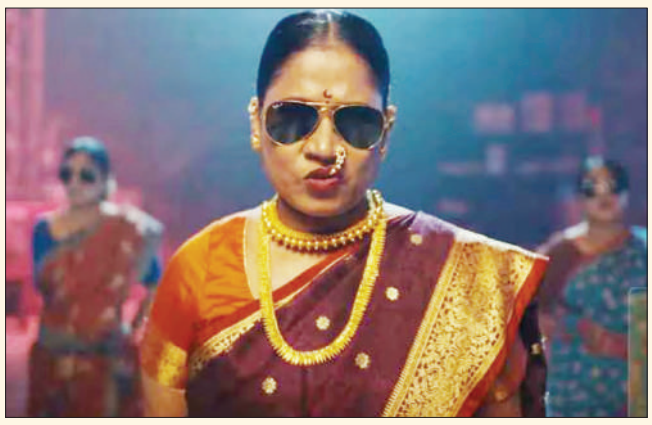

कंचन कोम्बडी मडगांव एक्सप्रेस की दुनिया में धूम मचाने के लिए तैयार है। एक्सेल एंटरटेनमेंट ने गैंगस्टर स्टाइल को एक बेहद शानदार फैशन स्टेटमेंट में बदल दिया है, जो फैंस 22 मार्च को फिल्म की रिलीज का बेसबरी से इंतजार करवा रहा है. ऐसे में रिलीज से बस एक दिन दूर ट्रेलर को लेकर उम्मीद की जा रही है कि ये मस्ती भरी, एंटरटेनिंग राइड होगा, जो एक ग्लैमरस साड़ी लुक में कंचन कोम्बडी की उल्लेखनीय उपस्थिति से और अधिक बढ़ जाएगी। बचपन के सपने... लग गए अपने...मडगांव एक्सप्रेस को रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर के एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनाया गया है। वहीं, कुणाल खेमू द्वारा लिखित और निर्देशित यह फिल्म 22 मार्च, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

अजब-गजब | हर घंटे करती है हजारों की कमाई

इस महिला को राजकुमारी की तरह तैयार होने के मिलते हैं पैसे

बचपन में हर किसी को कार्टून बहुत पसंद होता है। इस वजह से बच्चे अक्सर अपने मनपसंद कार्टून किरदारों की तरह तैयार होना चाहते हैं। उनकी तरह कपड़े पहनना चाहते हैं, दिखना चाहते हैं, बात करना चाहते हैं। पर बड़े होकर ये सारी चीजें बचकानी लगती हैं। मगर एक महिला ने तो अपने बचपन के इस शौक को अपना प्रोफेशन ही बना लिया। इस उम्र में भी अमेरिका की ये महिला कार्टून किरदारों की राजकुमारी जैसे तैयार होती है और ऐसा कर के पैसे भी कमाती है।

एक रिपोर्ट के अनुसार लॉस एंजेलिस की 27 वर्षीय माया ब्राउन को बचपन से ही डिज्नी के किरदारों से बहुत प्रेम था। जब वो हाई स्कूल में थीं, तब वो यही सोचती थीं कि कभी वो प्रोफेशनल प्रिंसेज बन जाएं। जब स्कूल में फैंसी ड्रेस कंप्टीशन होता, तो वो प्रिंसेज की ही तरह तैयार होकर जाया करती थीं। उनका ये सपना इस उम्र में पूरा हो गया है।

अब सवाल ये उठता है कि वो इन पार्टियों

से कितना कमा लेती हैं? आपको जानकर हैरानी होगी कि वो 1 घंटे में 8 हजार रुपये से ज्यादा की कमाई कर लेती हैं। वो एक दिन में दो पार्टियों में शामिल हो जाती हैं। वहां जाकर वो बच्चों के साथ वक्त बिताती हैं, उनके साथ बर्थडे केक काटती हैं, उन्हें कहानियां सुनाती हैं, खेलती हैं और फोटोज लेती हैं। उन्होंने कहा कि रुपयों से ज्यादा उनके लिए ये अनुभव बेहद खास है क्योंकि उन्हें वो बच्चे भी देख लेते हैं, जो डिज्नीलैंड नहीं जा पाते। उनके लिए बच्चों को स्पेशल महसूस करवाना सबसे ज्यादा जरूरी है।

मां दूधेश्वरी स्वयंभूधाम में खास है ये नीम का पेड़, इससे बहती है दूध की धारा

मां दूधेश्वरी स्वयंभूधाम के पुजारी भोला दास गोस्वामी बताते हैं कि साल 2016 के अगस्त माह में भलदम चट्टी स्थित नीम के पेड़ से दूध गिरना शुरू हुआ। गांव के राकेश सिंह ने सबसे पहले यह देखा था। उसके बाद उन्होंने गांव के लोगों को ये सूचना दी।

फिर लोगों ने अपने स्तर से काफी खोजबीन कि ताकि वे जान सके कि आखिर दूध कहां से गिर रहा है। लेकिन इसका पता नहीं चला और ना ही दूध गिरना बंद हुआ। फिर लोग इसे दैवीय चमत्कार मानने लगे और इस पेड़ की पूजा करने लगे। पुजारी भोला दास आगे बताते हैं कि उनकी पत्नी सरस्वती देवी को सपना आया कि पेड़ के पास शिवलिंग प्रकट होगा। उन्होंने पत्नी के बार-बार जिद करने पर रात के 2-3 बजे उस नीम के पेड़ के पास जाकर शिवलिंग खोजना शुरू कर दिया और काफी खोजबीन के बाद उन्हें वहां शिवलिंग मिला।

इसके बाद इसकी सूचना उन्होंने गांव के लोगों को दी, जिसके बाद से वहां पूजा-पाठ रोजाना शुरू किया गया। लगभग 3 माह तक लगातार चौबीसों घण्टे तेज धार से पेड़ से दूध बहता रहा। अभी भी इस पेड़ से कभी कभार दूध गिरता है। लोग दूध का सेवन प्रसाद के रूप में करते हैं। कई लोगों की बड़ी-बड़ी बीमारियां भी इस दूध के सेवन से ठीक हो गई हैं। मान्यता है कि यहां सच्चे मन से जो मनोकामना या मुरादें मांगते हैं, उसे भगवान जरुर पूर्ण करते हैं। यहां हर पर्व त्योहार में विशेष पूजा पाठ की जाती है। वहीं दशहरे के अवसर पर चलंत मूर्ति का भी प्रदर्शन किया जाता है।

देश को संवारने का काम करेगा कांग्रेस का चुनावी घोषणा पत्र

रोजगार का अधिकार देने व पेपर लीक के खिलाफ सख्त कानून लाने का किया वादा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने आगामी लोकसभा चुनाव के लिए अपने चुनावी घोषणा पत्र के मसौदे को अंतिम रूप दे दिया जो न्याय के पांच स्तंभों पर केंद्रित रहने वाला है और जिसमें पार्टी रोजगार का अधिकार देने, पेपर लीक के खिलाफ सख्त कानून बनाने, जाति जनगणना कराने तथा अग्निपथ योजना को खत्म करने जैसे कई बड़े वादे कर सकती है।

पार्टी के शीर्ष नेतृत्व द्वारा मध्य प्रदेश के बदनावर में एक सार्वजनिक रैली के दौरान रोजगार के अधिकार पर घोषणा करने की संभावना है। इस सभा में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व पार्टी अध्यक्ष राहुल गांधी दोनों मौजूद रहेंगे। एक सूत्र ने कहा, यह पहली बार है कि देश के युवाओं को रोजगार का अधिकार देने की ऐसी योजना लाई जाएगी और युवाओं को कुछ भत्ता भी दिया जा सकता है। सूत्रों के अनुसार, पार्टी देश में पेपर लीक के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कानून और सजा का प्रावधान करेगी और अपने घोषणापत्र में सरकारी भर्तियों में पारदर्शिता लाने के उपाय सुझाएगी।

चिदंबरम की अध्यक्षता में बन रही योजना

पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम की अध्यक्षता वाली घोषणा पत्र समिति ने चुनावी मुद्दों के संदर्भ में लंबी मंत्रणा की है। पार्टी की घोषणापत्र समिति में प्रियंका गांधी वाद्रा, शशि थरूर, जयराम रमेश और आनंद शर्मा जैसे वरिष्ठ नेता शामिल हैं। समिति के प्रमुख सदस्यों ने पार्टी मुख्यालय में बैठक की और दस्तावेज के मसौदे को अंतिम रूप दिया। समिति के बैठक के बाद चिदंबरम ने संवाददाताओं से कहा,हमने घोषणापत्र का मसौदा तैयार कर लिया है। अब यह कांग्रेस कार्य समिति के पास जाएगा जहां इसे अंतिम रूप दिया जाएगा।

युवाओं का भविष्य इंडिया गठबंधन की प्राथमिकता : राहुल गांधी

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने उत्तर प्रदेश मे पेपर लीक की हालिया घटनाओं की पृष्ठभूमि मे कहा कि उनकी पार्टी भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए एक ठोस योजना तैयार कर रही है और जल्द ही एक दृष्टिकोण लोगो के सामने रखेगी। कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि युवाओं का भविष्य इंडिया गठबंधन की प्राथमिकता है। चुनाव से पहले बेरोजगारी और महंगाई के मुद्दो को बड़े पैमाने पर उठाने के बाद कांग्रेस जर्मनी जैसे कुछ विकसित देशो की तर्ज पर युवाओ के लिए एक योजना की घोषणा कर सकती है। इस योजना के तहत युवाओ को प्रशिक्षण और साथ ही साथ एक निश्चित मानदेय दिया जाता है।

घोषणापत्र में जोर 5-न्याय पर रहेगा फोकस

घोषणापत्र मे जोर 5-न्याय (न्याय के पांच स्तंभ) पर होने की संभावना है, जिसका वादा कांग्रेस ने पार्टी नेता राहुल गांधी की अगुवाई वाली भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान किया था। कांग्रेस के न्याय के पांच स्तंभ युवा न्याय, भागीदारी न्याय, नारी न्याय, किसान न्याय और श्रमिक न्याय है। सूत्रो का कहना है कि पार्टी न्यूनतम समर्थन मूल्य को कानूनी गारंटी देने और सरकारी रिक्तियों को भरने के लिए देश मे जाति-आधारित जनगणना का वादा करने पर भी ध्यान केंद्रित करेगी। कांग्रेस कुछ कल्याणकारी उपायो पर जोर दे सकती है जैसे कि समाज के हाशिए पर रहने वाले वर्गों को वित्तीय सहायता प्रदान करना और यह सुनिश्चित करना कि उन्हे न्याय मिले और वो राज्य कल्याण उपायो का हिस्सा बने।

आज कांग्रेस अध्यक्ष को सौंपेंगे मसौदा

पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम ने कहा कि बुधवार को वह और समिति के सदस्य, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात करके उन्हें इस घोषणा पत्र का मसौदा सौंपेगे। सूत्रों ने कहा कि पार्टी का घोषणापत्र युवाओं, महिलाओं, गरीबों और किसानों को सशक्त बनाने पर केंद्रित होगा। उन्होंने कहा कि पार्टी पेपर लीक के खतरे से निपटने के लिए एक योजना पर विचार कर रही है और सरकारी भर्तियों में पारदर्शिता लाने के लिए उसके अपना दृष्टिकोण पेश करने की संभावना है।

चुनाव नजदीक आते ही क्यों बढ़ रही विभाजनकारी राजनीति : अनुराग ठाकुर

» कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों पर भाजपा नेता ने सनातन धर्म को बदनाम करने का लगाया आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने बुधवार को हमीरपुर में कहा कि कई बार कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने या तो सनातन धर्म या हिंदू या भगवान राम पर टिप्पणी की है या उनका अपमान किया है। दूसरी ओर वे टुकड़े-टुकड़े गैंग के साथ खड़े हैं। जिनका एक ही लक्ष्य है, भारत को बांटना। वे अपनी जीत का जश्न मनाने के लिए पाकिस्तान समर्थक नारे लगाते हैं। अब एक व्यक्ति जिस पर पूर्व में एक बड़े भ्रष्टाचार घोटाले का आरोप लगाया गया है, उसने अपनी हदें पार कर दी हैं।

वह खुलेआम कांग्रेस के लिए बेटिंग कर रहा है और भारत, सनातन विरोधी और राम विरोधी बयान दे रहा है। अनुराग ने कांग्रेस से सवाल किया कि उन्हें कौन बचा रहा है? क्या ए राजा और डीएमके जो कहते हैं उससे कांग्रेस सहमत है? क्या वे कांग्रेस नेताओं की ओर लगाए गए पाकिस्तान समर्थक नारों से सहमत हैं? क्या कांग्रेस भारत को एक देश नहीं मानती?... चुनाव नजदीक आते ही विभाजनकारी राजनीति क्यों बढ़ रही है।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि चन्द्र कान्त उर्फ चन्द्र कान्त पाण्डेय पुत्र सालिक राम, निवासी- ग्राम - सराय सेख, चिनहट, लखनऊ, खसरा नं.- 517, राजस्व ग्राम - सराय सेख, परगना - तहसील व जिला - लखनऊ, का सहखातेदार हैं एवं अपने हिस्से की उपरोक्त भूमि से एक प्लाट संख्या - 97 का भाग क्षेत्रफल 600 वर्गफीट, आशा तिवारी पत्नी रमेश तिवारी निवासी 177 श्रद्धा विहार कॉलोनी, रातरिख रोड, राराय शेख चिनहट, लखनऊ उत्तर प्रदेश - 226028 को विक्रय कर रहा है एवं क्रेता आधार हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड शाखा- जानकीपुरम, लखनऊ से गृह ऋण ले रही है यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 07 दिन के अंदर निम्न से संपर्क करें।

मृगेंद्र बहादुर सिंह
(अधिवक्ता)
आधार हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड
आफिस : ईडब्लूएस 209 - 210
मो0 - 9415542801, 6394317537

काकोरी में दर्दनाक हादसा, दो सिलेंडरों में ब्लॉस्ट से पांच की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

काकोरी। मंगलवार देर रात लखनऊ के हाता हजरत साहब कस्बा काकोरी में रहने वाले मुशीर के घर में शॉर्ट सर्किट की वजह से दो सिलेंडरों में ब्लास्ट हो गया जिससे कुल 9 लोग घायल हो गए जिन्हें इलाज हेतु ट्रामा सेंटर ले गया ले जाया गया जहां इलाज के दौरान पांच लोगों की मृत्यु हो गयी व 4 लोग अभी घायल हैं जिनका इलाज चल रहा है।

» 3 फायर ब्रिगेड की गाड़ियों से आग पर पाया काबू

मृतकों में मुशीर पुत्र पुत्तू उम्र करीब 50 वर्ष निवासी हाता हजरत साहब कस्बा काकोरी थाना काकोरी, हुस्न बानो पत्नी मुशीर उम्र करीब 45 वर्ष ,रइया पुत्री बबलू उम्र करीब 07 वर्ष ,उमा पुत्री अजमद उम्र करीब 04 वर्ष निवासी ,हिना पुत्री अजमद उम्र करीब 02 वर्ष निवासी शामिल हैं। घायलों में ईशा पुत्री मुशीर उम्र करीब 17 वर्ष,लकब पुत्री मुशीर उम्र करीब 21 वर्ष, मुशीर के बहनोई अजमद उम्र करीब 34 वर्ष, अनम पुत्री बबलू(मुशीर के भाई) उम्र करीब 18 वर्ष शामिल है। स्थानीय पुलिस बल व 3 फायर ब्रिगेड की गाड़ियों की मदद से आग पर काबू पा लिया गया अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

कश्मीर की तीनों सीटों पर अकेले लड़ेगी नेकां : वानी

फारूक अब्दुल्ला ने पार्टी की बुलाई बैठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) ने कश्मीर की सभी 3 लोकसभा सीटों पर गठबंधन छोड़ अकेले अपने दम पर चुनाव लड़ने का एलान किया है। पार्टी मुख्यालय में संसदीय बोर्ड की बैठक के बाद पार्टी के कश्मीर प्रांतीय अध्यक्ष नासिर असलम वानी ने फैसले की जानकारी देते हुए कहा कि जम्मू, उधमपुर और लद्दाख की तीन सीटों पर निर्णय लेने के लिए कांग्रेस से बातचीत जारी है।

वानी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि नेकां, इंडिया एलायंस का हिस्सा है। लद्दाख समेत बाकी तीन सीटों के लिए कांग्रेस से बातचीत जारी है। बता दें कि जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने मंगलवार की सुबह श्रीनगर में पार्टी मुख्यालय नवा-ए-सुबह में पार्टी की संसदीय समिति की बैठक बुलाई। इसमें उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला, महासचिव अली मोहम्मद सागर, अतिरिक्त महासचिव अजय कुमार सड़ोत्रा, कोषाध्यक्ष शम्मी ओबेरॉय, प्रांतीय अध्यक्ष नासिर असलम वानी, रतन लाल गुप्ता, वरिष्ठ नेता अब्दुल रहीम राथर, मोहम्मद शफी, चौधरी मोहम्मद रमजान, सकीना इतु, सज्जाद किचलू, खालिद नजीब सुहरवर्दी, मियां अल्ताफ अहमद, आगा सैयद रूहुल्लाह मेहदी, जावेद राणा, शमीमा फिरदौस, अब्दुल गनी मलिक बैठक में मौजूद रहे।

हम किसी से गठबंधन नहीं करेंगे : आजाद

डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) सुप्रीमो गुलाम नबी आजाद ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने सोमवार अनंतनाग में आयोजित रैली में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री को अपने घर को संभालने की सलाह दी है। साथ ही कांग्रेस और स्थानीय पार्टियों पर निशाना साधते हुए कहा कि ये पार्टियों कुछ भी हासिल करने से कोसों दूर हैं। इस दौरान उन खबरों को खारिज कर दिया कि वह किसी गठबंधन का हिस्सा होंगे। कहा कि वह संसदीय चुनाव अकेले लड़ेंगे। कांग्रेस और स्थानीय पार्टियों पर हमला बोलते हुए आजाद ने कहा कि ये पार्टियां कुछ भी हासिल करने से कोसों दूर हैं और पिछले 70 वर्षों में उन्होंने जो हासिल किया था उसे खो दिया है।

स्पिनर नदीम ने क्रिकेट को कहा अलविदा

भारत के लिए सिर्फ दो टेस्ट मैच खेले हैं प्रमुख स्पिनर शाहबाज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। भारत के प्रमुख स्पिनर शाहबाज नदीम ने सभी अंतर्राष्ट्रीय और प्रथम श्रेणी क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की है। धीमे बाएं हाथ के स्पिनर ने भारत के लिए सिर्फ दो टेस्ट मैच खेले हैं। नदीम ने 140 फर्स्ट क्लास मैचों में 542 विकेटों की प्रभावशाली संख्या के साथ अपना करियर समाप्त किया।

शाहबाज नदीम के मन में पिछले कुछ समय से रिटायरमेंट के विचार चल रहे थे। लेकिन अब जब उनके भारतीय टीम के लिए खेलने की संभावना लगभग खत्म हो गई है, तो स्पिनर इसे युवा पीढ़ी के लिए राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने का सही समय मानते हैं। उन्होंने कहा कि, मैं लंबे समय से अपने संन्यास पर विचार कर रहा था और अब मैंने फैसला किया है कि मैं तीनों फॉर्मेट से संन्यास ले रहा हूं। मुझे हमेशा लगता है कि जब आपके पास कुछ प्रेरणा होती है तो आप खुद को अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करते रहते हैं। हालांकि, अब मुझे पता है कि मुझे भारतीय टीम में मौका नहीं मिलेगा, इसलिए बेहतर होगा कि मैं युवा क्रिकेटरों को मौका दूं। अब मैं दुनिया भर की टी20 लीगों में खेलने की भी योजना बना रहा हूं।

स्पिनर ने 2019 में रांची में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टीम में डेब्यू करते हुए भारत के लिए महज दो टेस्ट खेले जिसमें उन्होंने 8 विकेट अपने नाम किए। वहीं उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 4/40 रहा।

केंद्र सरकार के खिलाफ किसानों का मार्च आज

» दिल्ली पुलिस ने राजधानी से लगे सभी बॉर्डरों पर बढ़ाई चौकसी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। किसानों के विरोध-प्रदर्शन का आज 23वां दिन है। किसान एक बार फिर से आज दिल्ली कूच को तैयार हैं। लेकिन खास बात यह है कि आज के विरोध-प्रदर्शन में हरियाणा और पंजाब के किसान शामिल नहीं हो रहे हैं, बल्कि देश के अलग-अलग हिस्सों से किसानों ने दिल्ली की तरफ मार्च शुरू कर दिया है।

हालांकि दूर दराज से आने वाले किसान आज दिल्ली नहीं पहुंच पाएंगे, उनको दिल्ली तक आने में 2-3 दिन लगेंगे। किसान नेता ने बताया कि पहले ऐलान किया गया था कि 6 मार्च को होने वाले विरोध मार्च में अन्य राज्यों के किसान शामिल होंगे, लेकिन दूर से आने वाले किसान आज दिल्ली पहुंच ही नहीं पाएंगे। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश, बिहार या दक्षिण भारत से सड़क या ट्रेन से आने वाले किसानों को दिल्ली आने में करीब 2-3 दिन लगेंगे, इसीलिए स्थिति 10 मार्च तक साफ हो जाएगी। दिल्ली पुलिस ने राजधानी से लगे बॉर्डर पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। एडिशनल डीसीपी, शाहदरा, राजीव कुमार ने कहा, जानकारी के अनुसार, किसान आज से दिल्ली की ओर मार्च करना शुरू कर सकते हैं। इसलिए सुरक्षा कड़ी कर दी गई है और बलों को तैनात किया गया है। इसके अलावा हम यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहे हैं कि इससे यातायात प्रभावित न हो। संयुक्त किसान मोर्चा की मुख्य जत्थेबंदियों बीकेयू उगराहां, क्रांतिकारी किसान यूनियन और बीकेयू डकौंदा (धनेर) ने मंगलवार को पटियाला के पुड्डा ग्राउंड में एक विशाल रैली की। इस मौके पर बड़ी संख्या में जुटे किसानों ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए एमएसपी की कानूनी गारंटी समेत बाकी सभी मांगों को जल्द पूरा करने की अपील की। मांगों के पूरा न होने पर आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी गई।

जंतर-मंतर की ओर शांतिपूर्वक मार्च करेंगे किसान

किसान नेता तेजवीर सिंह ने कहा कि आज यानी छह मार्च को पूरे भारत के किसान दिल्ली के जंतर-मंतर की ओर शांतिपूर्वक मार्च करेंगे। मार्च के लिए मध्य प्रदेश, राजस्थान और बिहार के किसानों ने दिल्ली जाने की पूरी तैयारी कर ली है। बता दें कि किसानों के एलान के मुताबिक पंजाब और हरियाणा को छोड़कर बाकी राज्यों के किसान छह मार्च को शातिपूर्ण ढंग से दिल्ली कूच करेंगे।

10 मार्च को किसानों का रेल रोको आंदोलन

बता दें किसानों ने फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कानूनी गारंटी समेत अपनी विभिन्न मांगों के समर्थन में 10 मार्च को 4 घंटे के लिए देशव्यापी रेल रोको आंदोलन का भी आह्वान किया है. बता दें कि किसानों ने अपना विरोध मार्च 13 फरवरी को शुरू किया था, लेकिन उनकी दिल्ली कूच की कोशिश को पुलिस ने नाकाम कर दिया था। जिसकी वजह से हरियाणा और पंजाब की सीमा पर झड़पें हुईं थीं और आंसू गास के गोले भी दागे गए थे। किसान नेता सरवन सिंह पंढेर और जगजीत सिंह डल्लेवाल का कहना है कि किसानों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा. मांगें पूरी होने तक संघर्ष जारी रहेगा।

दिल्ली की अदालत ने लालू प्रसाद के सहयोगी की अंतरिम जमानत बढ़ाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद और उनके परिवार के कई सदस्यों से जुड़े 'जमीन के बदले नौकरी घोटाला' से संबंधित धन शोधन के आरोपों में पिछले साल गिरफ्तार अमित कात्याल की अंतरिम जमानत दिल्ली की एक अदालत ने एक सप्ताह के लिए बढ़ा दी। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने पांच फरवरी को चिकित्सा आधार पर कात्याल को अंतरिम जमानत दी थी।

न्यायाधीश गोगने ने अंतरिम जमानत की अवधि बढ़ाने की मांग वाले आरोपी के आवेदन पर जवाब देने के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा समय मांगने के बाद राहत बढ़ा दी। ईडी ने अदालत के समक्ष कहा कि उसने आरोपी को दी गई अंतरिम जमानत को दिल्ली उच्च न्यायालय में चुनौती दी है और मामले में आदेश सुरक्षित रख लिया गया है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने राहत की अवधि बढ़ाने की मांग वाले कात्याल के आवेदन पर जवाब देने के लिए समय मांगा और कहा कि वह उच्च न्यायालय के आदेशों के अधीन अगले कुछ दिनों के भीतर अपना जवाब दाखिल करेगी। इस पर न्यायाधीश ने कहा,अदालत को वर्तमान परिस्थितियों में यह उचित लगता है कि कार्यवाही स्थगित कर दी जाए...। इसके साथ ही अदालत ने मामले में अगली सुनवाई के लिए 12 मार्च की तारीख तय की और अमित कात्याल की अंतरिम जमानत तब तक के लिए बढ़ा दी। अदालत 12 मार्च को आरोपी की नियमित जमानत अर्जी पर भी सुनवाई करेगी।

देश की पहली अंडर वॉटर मेट्रो ट्रेन का उद्घाटन

कोलकाता के हुगली नदी में चलेगी ट्रेन, पीएम ने आगरा मेट्रो भी राष्ट्र को किया समर्पित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। आज देश की पहली अंडर वॉटर मेट्रो ट्रेन का उद्घाटन किया है। बता दें कि कोलकाता की अंडर वॉटर मेट्रो का निर्माण हुगली नदी के नीचे किया गया है। कुछ दिन पहले ही रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कोलकाता मेट्रो रेल सेवाओं की समीक्षा की थी और आज पीएम मोदी इसे देश को समर्पित किया है।

यहां आपको बता दें कि पीएम मोदी ने कोलकाता से ही आगरा मेट्रो का भी वर्चुअल उद्घाटन किया है। आगरा में मेट्रो की शुरुआत ताजमहल मेट्रो स्टेशन से की गई है। इतना ही नहीं पीएम मोदी ने मेट्रो का उद्घाटन करने के बाद स्कूल के बच्चों के साथ मेट्रो में सफर भी किया। इस दौरान उन्होंने बच्चों के साथ बातचीत भी की।

नदी के तल से 32 मीटर नीचे बनाई गई है मेट्रो : ये अंडर वॉटर मेट्रो टनल हावड़ा मैदान-एस्प्लेनेड सेक्शन के बीच में दौड़ेगी. इस मेट्रो टनल को हुगली नदी के तल से 32 मीटर नीचे बनाया गया है. कोलकाता मेट्रो हावड़ा मैदान-एस्प्लेनेड टनल भारत में किसी भी नदी के नीचे बनाया जाने वाला पहला ट्रांसपोर्ट टनल है। माना जा रहा है कि यह अंडरग्राउंड मेट्रो 45 सेकेंड में हुगली नदी के नीचे 520 मीटर की दूरी तय करेगी।

2010 में इस प्रोजेक्ट की हुई थी शुरुआत

कोलकाता मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के डायरेक्टर सैयद मो. जमील हसन ने बताया कि 2010 में टनल बनाने का कॉन्ट्रैक्ट एफकॉन्स कंपनी को दिया गया था। एफकॉन्स ने अंडर वॉटर मेट्रो प्रोजेक्ट के लिए जर्मन कंपनी हेरेनकनेक्ट सेल बोरिंग मशीन (टीबीएम) मंगाई थी। इन मशीनों के नाम प्रेरणा और रचना हैं, जो एफकॉन्स के एक कर्मचारी की बेटियों के नाम पर हैं।

शिवरी प्लांट के कूड़े के ढेर से मिलेगी निजात

प्रोसेसिंग प्लान्ट की हुई शुरुआत, भूमि ग्रीन ने संभाला प्रोजेक्ट

मो. शारिक/4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भारत सरकार में आवास और शहरी मामलों के राज्य मंत्री कौशल किशोर व लखनऊ नगर निगम की महापौर सुषमा खर्कवाल ने सीमा क्षेत्रान्तंगत सफाई व्यवस्था के तहत शत-प्रतिशत कूड़ा निस्तारण किये जाने के उद्देश्य से ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन के अन्तर्गत शिवरी स्थित ठोस अपशिष्ट प्रोसेसिंग प्लान्ट पर नगर से एकत्रित लगभग 18.50 लाख मीट्रिक टन ठोस अपशिष्ट के वैज्ञानिक निस्तारण कार्य का पार्षदों की उपस्थिति में शुभारंभ किया।

इस प्लाट की लागत 1,06,18,44,000.00 (रुपए एक सौ छः करोड़ अट्ठारह लाख चवालिस हजार मात्र) आंकलित की गयी है। कार्यक्रम के अन्त में चयनित संस्था मेसर्स भूमि ग्रीन प्रा लि के निदेशक विजय तिलोतकर के द्वारा विश्वास दिलाया गया कि उक्त कार्य को निर्धारित समय सीमा से पूर्व ही पूर्ण करने का प्रयास करने के लिये संस्था संकलिपत है। महापौर द्वारा कार्यक्रम में सभी उपस्थित जनो का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए विश्वास दिलाया गया कि इसी स्थल पर 1.5 वर्ष बाद सबसे हरियाली होगी एवं यहाँ के जल एवं वायु दोनो के पर्यावरण मे सुधार होगा।

मेरा सपना होगा पूरा : नगरआयुक्त

नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह खुद इस बात को स्वीकार कर चुके हैं कि शिवरी और शहर के पॉल्यूशन के कारण कोर्ट के निर्देश पर उनका 3 महीने का वेतन रोक दिया गया था। हालांकि उसके बावजूद भी वह शिवरी और शहर की साफ सफाई की व्यवस्था में लगातार लगे रहे। अब यह स्थिति है कि जहां पूरा शहर इस बात को कहता था कि शिवरी का कूड़ा समाप्त नहीं हो सकता है अब हर व्यक्ति यह कहने लगा है कि जिस तरह की व्यवस्था वहां पर की गई है और मैनेजमेंट किया गया है अगले 18 महीना में 90 प्रतिशत कूड़े का निस्तारण कर दिया जाएगा।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।